Kings, Farmers and Towns Early States and Economies (c. 600 BCE-600 CE)

राजा, किसान और नगर आरंभिक राज्य और अर्थव्यवस्थाएँ

(लगभग 600 ई.पू. से 600 ई.)

HISTORY
THEME 02

HISTORY
THEME 02

Kings, Farmers and Towns Early States and Economies (c. 600 BCE-600 CE)

राजा, किसान और नगर आरंभिक राज्य और अर्थव्यवस्थाएँ (लगभग 600 ई.पू. से 600 ई.)

There were several developments in different parts of the subcontinent during the long span of 1,500 years following the end of the Harappan civilisation. This was also the period during which the Rigveda was composed by people living along the Indus and its tributaries.

हड़प्पा सभ्यता के बाद डेढ़ हज़ार वर्षों के लंबे अंतराल में उपमहाद्वीप के विभिन्न भागों में कई प्रकार के विकास हुए। यही वह काल था जब सिंधु नदी और इसकी उपनदियों के किनारे रहने वाले लोगों द्वारा ऋग्वेद का लेखन किया गया।

HISTORY
THEME 02

Kings, Farmers and Towns Early States and Economies (c. 600 BCE-600 CE)

राजा, किसान और नगर आरंभिक राज्य और अर्थव्यवस्थाएँ (लगभग 600 ई.पू. से 600 ई.)

Agricultural settlements emerged in many parts of the subcontinent, including north India, the Deccan Plateau, and parts of Karnataka. Besides, there is evidence of pastoral populations in the Deccan and further south.

उत्तर भारत, दक्कन पठार क्षेत्र और कर्नाटक जैसे उपमहाद्वीप के कई क्षेत्रों में कृषक बस्तियाँ अस्तित्व में आईं। साथ ही दक्कन और दक्षिण भारत के क्षेत्रों में चरवाहा बस्तियों के प्रमाण भी मिलते हैं।

HISTORY
THEME 02

Kings, Farmers and Towns Early States and Economies (c. 600 BCE-600 CE)

राजा, किसान और नगर आरंभिक राज्य और अर्थव्यवस्थाएँ (लगभग 600 ई.पू. से 600 ई.)

New modes of disposal of the dead, including the making of elaborate stone structures known as megaliths, emerged in central and south India from the first millennium BCE. In many cases, the dead were buried with a rich range of iron tools and weapons

ईसा पूर्व पहली सहस्राब्दि के दौरान मध्य और दक्षिण भारत में शवों के अंतिम संस्कार के नए तरीके भी सामने आए, जिनमें महापाषाण के नाम से ख्यात पत्थरों के बड़े-बड़े ढाँचे मिले हैं। कई स्थानों पर पाया गया है कि शवों के साथ विभिन्न प्रकार के लोहे से बने उपकरण और हथियारों को भी दफ़नाया गया था।

HISTORY
THEME 02

Kings, Farmers and Towns Early States and Economies (c. 600 BCE-600 CE)

राजा, किसान और नगर आरंभिक राज्य और अर्थव्यवस्थाएँ (लगभग 600 ई.पू. से 600 ई.)

From c. sixth century BCE, there is evidence that there were other trends as well. Perhaps the most visible was the emergence of early states, empires and kingdoms. Underlying these political processes were other changes, evident in the ways in which agricultural production was organised. Simultaneously, new towns appeared almost throughout the subcontinent.

ईसा पूर्व छठी शताब्दी से नए परिवर्तनों के प्रमाण मिलते हैं। शायद इनमें सबसे ज़्यादा मुखर आरंभिक राज्यों, साम्राज्यों और रजवाड़ों का विकास है। इन राजनीतिक प्रक्रियाओं के पीछे कुछ अन्य परिवर्तन थे। इनका पता कृषि उपज को संगठित करने के तरीके से चलता है। इसी के साथ-साथ लगभग पूरे उपमहाद्वीप में नए नगरों का उदय हुआ।

HISTORY
THEME 02

Kings, Farmers and Towns Early States and Economies (c. 600 BCE-600 CE)

राजा, किसान और नगर आरंभिक राज्य और अर्थव्यवस्थाएँ (लगभग 600 ई.पू. से 600 ई.)

Fig. 2.1 An inscription, Sanchi (Madhya Pradesh), c. second century BCE
चित्र 2.1 एक अभिलेख, साँची (मध्य प्रदेश), लगभग द्वितीय शताब्दी ई.पू

HISTORY
THEME 02

Kings, Farmers and Towns Early States and Economies (c. 600 BCE-600 CE)

राजा, किसान और नगर आरंभिक राज्य और अर्थव्यवस्थाएँ (लगभग 600 ई.पू. से 600 ई.)

Historians attempt to understand these developments by drawing on a range of sources – inscriptions, texts, coins and visual material. As we will see, this is a complex process. You will also notice that these sources do not tell the entire story.

इतिहासकार इस प्रकार के विकास का आकलन करने के लिए अभिलेखों, ग्रंथों, सिक्कों तथा चित्रों जैसे विभिन्न प्रकार के स्रोतों का अध्ययन करते हैं। जैसा कि हम आगे पढ़ेंगे। यह एक जटिल प्रक्रिया है, और आपको यह भी आभास होगा कि इन स्रोतों से विकास की पूरी कहानी नहीं मिल पाती है।

HISTORY
THEME 02

Kings, Farmers and Towns Early States and Economies (c. 600 BCE-600 CE)

राजा, किसान और नगर आरंभिक राज्य और अर्थव्यवस्थाएँ (लगभग 600 ई.पू. से 600 ई.)

James Prinsep, an officer in the mint of the East India Company, deciphered Brahmi and Kharosthi, two scripts used in the earliest inscriptions and coins. He found that most of these mentioned a king referred to as Piyadassi – meaning "pleasant to behold"

जब ईस्ट इंडिया कंपनी के एक अधिकारी जेम्स प्रिंसेप ने ब्राह्मी और खरोष्ठी लिपियों का अर्थ निकाला। इन लिपियों का उपयोग सबसे आरंभिक अभिलेखों और सिक्कों में किया गया है। प्रिंसेप को पता चला कि अधिकांश अभिलेखों और सिक्कों पर पियदस्सी, यानी मनोहर मुखाकृति वाले राजा का नाम लिखा है।

HISTORY
THEME 02

Kings, Farmers and Towns Early States and Economies (c. 600 BCE-600 CE)

राजा, किसान और नगर आरंभिक राज्य और अर्थव्यवस्थाएँ (लगभग 600 ई.पू. से 600 ई.)

Few inscriptions which also referred to the king as Asoka, one of the most famous rulers known from Buddhist texts.

कुछ अभिलेखों पर राजा का नाम असोक भी लिखा है। बौद्ध ग्रंथों के अनुसार असोक सर्वाधिक प्रसिद्ध शासकों में से एक था।

HISTORY
THEME 02

Kings, Farmers and Towns Early States and Economies (c. 600 BCE-600 CE)

राजा, किसान और नगर आरंभिक राज्य और अर्थव्यवस्थाएँ (लगभग 600 ई.पू. से 600 ई.)

An era associated with early states, cities, the growing use of iron, the development of coinage, etc.

इस काल को प्रायः आरंभिक राज्यों, नगरों, लोहे के बढ़ते प्रयोग और सिक्कों के विकास के साथ जोड़ा जाता है।

Fig. 2.9
A Gupta coin

Growth of diverse systems of thought, including Buddhism and Jainism

बौद्ध तथा जैन सहित विभिन्न दार्शनिक विचारधाराओं का विकास हुआ।

HISTORY
THEME 02

Kings, Farmers and Towns Early States and Economies (c. 600 BCE-600 CE)

राजा, किसान और नगर आरंभिक राज्य और अर्थव्यवस्थाएँ (लगभग 600 ई.पू. से 600 ई.)

Mahajanapadas were ruled by kings, some, known as ganas or sanghas, were oligarchies where power was shared by a number of men, often collectively called rajas

अधिकांश महाजनपदों पर राजा का शासन होता था लेकिन गण और संघ के नाम से प्रसिद्ध राज्यों में कई लोगों का समूह शासन करता था, इस समूह का प्रत्येक व्यक्ति राजा कहलाता था।

HISTORY
THEME 02

Kings, Farmers and Towns Early States and Economies (c. 600 BCE-600 CE)

राजा, किसान और नगर आरंभिक राज्य और अर्थव्यवस्थाएँ (लगभग 600 ई.पू. से 600 ई.)

Mahavira and the Buddha (Chapter 4) belonged to such ganas.

भगवान महावीर और भगवान बुद्ध (अध्याय 4) इन्हीं गणों से संबंधित थे।

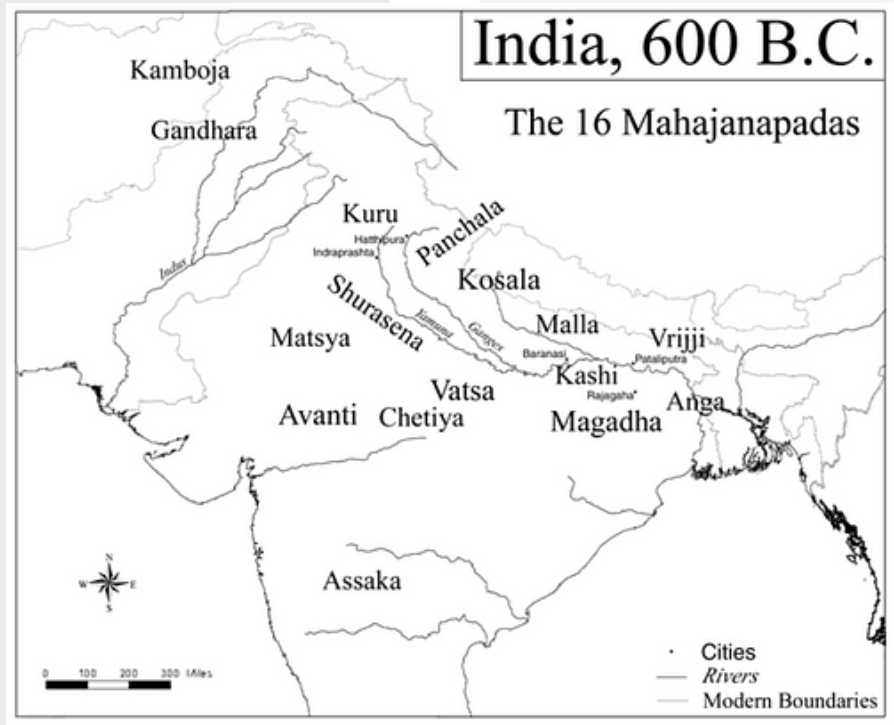

In the case of the Vajji sangha, the rajas probably controlled resources such as land collectively

वज्जि संघ की ही भाँति कुछ राज्यों मे भूमि सहित अनेक आर्थिक स्रोतों पर राजा गण सामूहिक नियंत्रण रखते थे।

HISTORY
THEME 02

Kings, Farmers and Towns Early States and Economies (c. 600 BCE-600 CE)

राजा, किसान और नगर आरंभिक राज्य और अर्थव्यवस्थाएँ (लगभग 600 ई.पू. से 600 ई.)

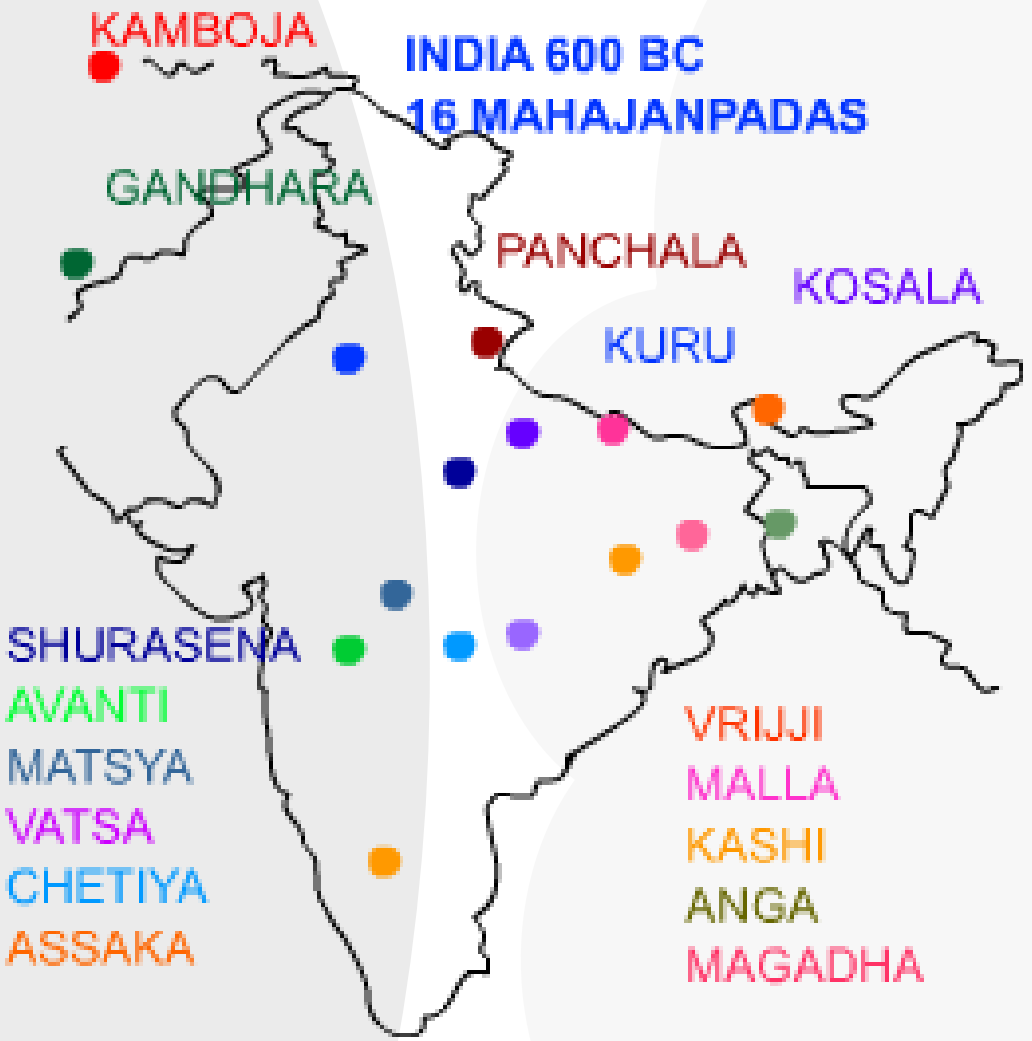

Mahajanapada had a capital city, which was often fortified.

महाजनपद की एक राजधानी होती थी जिसे प्रायः किले से घेरा जाता था।

HISTORY
THEME 02

Kings, Farmers and Towns Early States and Economies (c. 600 BCE-600 CE)

राजा, किसान और नगर आरंभिक राज्य और अर्थव्यवस्थाएँ (लगभग 600 ई.पू. से 600 ई.)

Brahmanas began composing Sanskrit texts known as the Dharmasutras. These laid down norms for rulers (as well as for other social categories), who were ideally expected to be Kshatriyas

संस्कृत में ब्राह्मणों ने धर्मशास्त्र नामक ग्रंथों की रचना शुरू की। इनमें शासक सहित अन्य के लिए नियमों का निर्धारण किया गया और यह अपेक्षा की जाती थी कि शासक क्षत्रिय वर्ण से ही होंगे।

HISTORY
THEME 02

Kings, Farmers and Towns Early States and Economies (c. 600 BCE-600 CE)

राजा, किसान और नगर आरंभिक राज्य और अर्थव्यवस्थाएँ (लगभग 600 ई.पू. से 600 ई.)

Rulers were advised to collect taxes and tribute from cultivators, traders and artisans.

शासकों का काम किसानों, व्यापारियों और शिल्पकारों से कर तथा भेंट वसूलना माना जाता था।

HISTORY
THEME 02

Kings, Farmers and Towns Early States and Economies (c. 600 BCE-600 CE)

राजा, किसान और नगर आरंभिक राज्य और अर्थव्यवस्थाएँ (लगभग 600 ई.पू. से 600 ई.)

Inscriptions are writings engraved on hard surfaces such as stone, metal or pottery. They usually record the achievements, activities or ideas of those who commissioned them and include the exploits of kings, or donations made by women and men to religious institutions. Inscriptions are virtually permanent records, some of which carry dates

अभिलेख उन्हें कहते हैं जो पत्थर, धातु या मिट्टी के बर्तन जैसी कठोर सतह पर खुदे होते हैं। अभिलेखों में उन लोगों की उपलब्धियाँ, क्रियाकलाप या विचार लिखे जाते हैं जो उन्हें बनवाते हैं। इनमें राजाओं के क्रियाकलाप तथा महिलाओं और पुरुषों द्वारा धार्मिक संस्थाओं को दिए गए दान का ब्योरा होता है। यानी अभिलेख एक प्रकार से स्थायी प्रमाण होते हैं।

Kings, Farmers and Towns Early States and Economies (c. 600 BCE-600 CE)

राजा, किसान और नगर आरंभिक राज्य और अर्थव्यवस्थाएँ (लगभग 600 ई.पू. से 600 ई.)

Others are dated on the basis of palaeography or styles of writing, with a fair amount of precision. For instance, in c. 250 BCE the letter “a” was written like this: . By c. 500 CE, it was written like this:

कई अभिलेखों में इनके निर्माण की तिथि भी खुदी होती है जिन पर तिथि नहीं मिलती है, उनका काल निर्धारण आमतौर पर पुरालिपि अथवा लेखन शैली के आधार पर काफ़ी सुस्पष्टता से किया जा सकता है। उदाहरण के लिए, लगभग 250 ई.पू. में अक्षर ‘अ’ इस प्रकार लिखा जाता था और 500 ई. में यह इस प्रकार लिखा जाता था।

HISTORY
THEME 02

Kings, Farmers and Towns Early States and Economies (c. 600 BCE-600 CE)

राजा, किसान और नगर आरंभिक राज्य और अर्थव्यवस्थाएँ (लगभग 600 ई.पू. से 600 ई.)

The earliest inscriptions were in Prakrit, a name for languages used by ordinary people. Names of rulers such as Ajatasattu and Asoka, known from Prakrit texts and inscriptions, have been spelt in their Prakrit forms in this chapter.

प्राचीनतम अभिलेख प्राकृत भाषाओं में लिखे जाते थे। प्राकृत उन भाषाओं को कहा जाता था जो जनसामान्य की भाषाएँ होती थीं। इस अध्याय में अजातसत्तु और असोक जैसे शासकों के नाम प्राकृत भाषा में लिखे गए हैं, क्योंकि यह नाम प्राकृत अभिलेखों से प्राप्त हुए हैं।

Kings, Farmers and Towns Early States and Economies (c. 600 BCE-600 CE)

राजा, किसान और नगर आरंभिक राज्य और अर्थव्यवस्थाएँ (लगभग 600 ई.पू. से 600 ई.)

You will also find terms in languages such as Pali, Tamil and Sanskrit, which too were used to write inscriptions and texts. It is possible that people spoke in other languages as well, even though these were not used for writing.

आपको यहाँ तमिल, पालि और संस्कृत जैसी भाषाओं के शब्द भी मिलेंगे, क्योंकि इन भाषाओं में भी अभिलेख मिलते हैं। यह संभव है कि लोग अन्य भाषाएँ भी बोलते थे लेकिन इनका उपयोग लेखन कार्य में नहीं किया जाता था।

HISTORY
THEME 02

Kings, Farmers and Towns Early States and Economies (c. 600 BCE-600 CE)

राजा, किसान और नगर आरंभिक राज्य और अर्थव्यवस्थाएँ (लगभग 600 ई.पू. से 600 ई.)

Janapada means the land where a jana (a people, clan or tribe) sets its foot or settles. It is a word used in both Prakrit and Sanskrit.

जनपद का अर्थ एक ऐसा भूखंड है जहाँ कोई जन (लोग, कुल या जनजाति) अपना पाँव रखता है अथवा बस जाता है। इस शब्द का प्रयोग प्राकृत व संस्कृत दोनों में मिलता है।

HISTORY
THEME 02

Kings, Farmers and Towns Early States and Economies (c. 600 BCE-600 CE)

राजा, किसान और नगर आरंभिक राज्य और अर्थव्यवस्थाएँ (लगभग 600 ई.पू. से 600 ई.)

Oligarchy refers to a form of government where power is exercised by a group of men. The Roman Republic, about which you read last year, was an oligarchy in spite of its name.

ओलीगार्की या समूहशासन उसे कहते हैं जहाँ सत्ता पुरुषों के एक समूह के हाथ में होती है। आपने पिछले वर्ष जिस रोमन गणराज्य के बारे में प

HISTORY
THEME 02

Kings, Farmers and Towns Early States and Economies (c. 600 BCE-600 CE)

राजा, किसान और नगर आरंभिक राज्य और अर्थव्यवस्थाएँ (लगभग 600 ई.पू. से 600 ई.)

Magadha (in present-day Bihar) became the most powerful mahajanapada

मगध (आधुनिक बिहार) सबसे शक्तिशाली महाजनपद बन गया।

Agriculture was especially productive.

मगध क्षेत्र में खेती की उपज खास तौर पर अच्छी होती थी।

HISTORY
THEME 02

Kings, Farmers and Towns Early States and Economies (c. 600 BCE-600 CE)

राजा, किसान और नगर आरंभिक राज्य और अर्थव्यवस्थाएँ (लगभग 600 ई.पू. से 600 ई.)

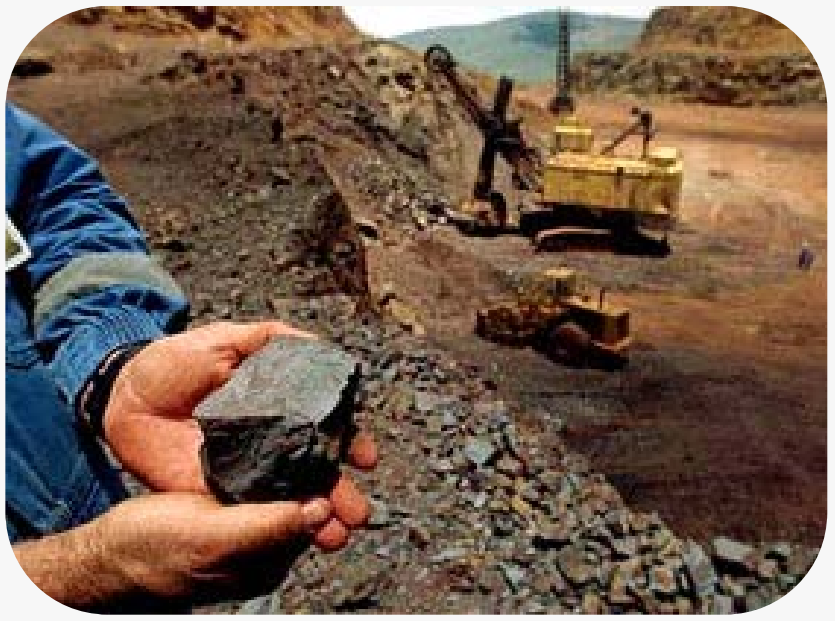

iron mines (in present-day Jharkhand) were accessible

लोहे की खदानें (आधुनिक झारखंड में) भी आसानी से उपलब्ध थी

Elephants, an important component of the army, were found in forests in the region.

जंगली क्षेत्रों में हाथी उपलब्ध थे जो सेना के एक महत्वपूर्ण अंग थे।

HISTORY
THEME 02

Kings, Farmers and Towns Early States and Economies (c. 600 BCE-600 CE)

राजा, किसान और नगर आरंभिक राज्य और अर्थव्यवस्थाएँ (लगभग 600 ई.पू. से 600 ई.)

Ganga and its tributaries provided a means of cheap and convenient communication.

गंगा और इसकी उपनदियों से आवागमन सस्ता व सुलभ होता था।

Rajagaha was the capital of Magadha

राजगाह मगध की राजधानी थी।

HISTORY
THEME 02

Kings, Farmers and Towns Early States and Economies (c. 600 BCE-600 CE)

राजा, किसान और नगर आरंभिक राज्य और अर्थव्यवस्थाएँ (लगभग 600 ई.पू. से 600 ई.)

Rajagaha was a fortified settlement, located amongst hills.

पहाड़ियों के बीच बसा राजगाह एक किलेबंद शहर था।

HISTORY
THEME 02

Kings, Farmers and Towns Early States and Economies (c. 600 BCE-600 CE)

राजा, किसान और नगर आरंभिक राज्य और अर्थव्यवस्थाएँ (लगभग 600 ई.पू. से 600 ई.)

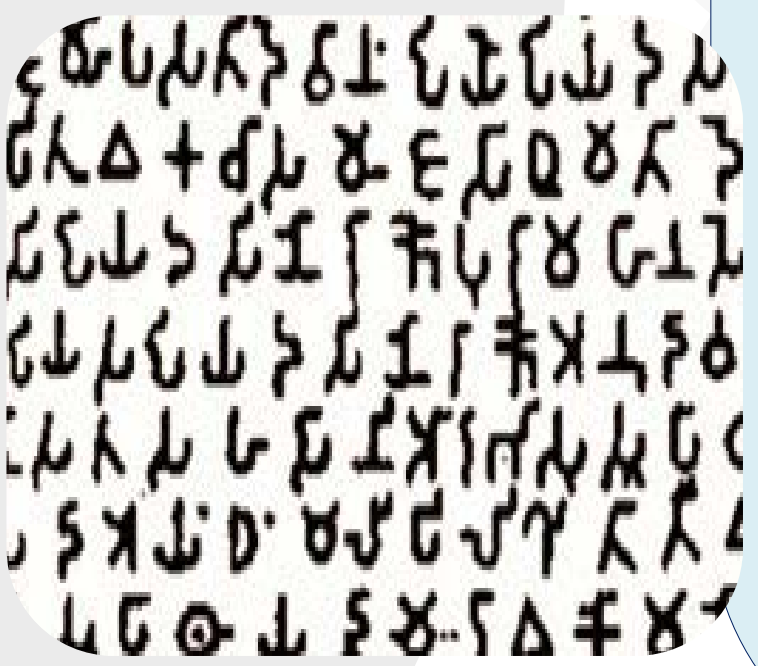

Most Asokan inscriptions were in the Prakrit language while those in the northwest of the subcontinet were in Aramaic and Greek. Most Prakrit inscriptions were written in the Brahmi script; however, some, in the northwest, were written in Kharosthi. The Aramaic and Greek scripts were used for inscriptions in Afghanistan.

असोक के अधिकांश अभिलेख प्राकृत में हैं जबकि पश्चिमोत्तर से मिले अभिलेख अरामेइक और यूनानी भाषा में हैं। प्राकृत के अधिकांश अभिलेख ब्राह्मी लिपि में लिखे गए थे जबकि पश्चिमोत्तर के कुछ अभिलेख खरोष्ठी में लिखे गए थे। अरामेइक और यूनानी लिपियों का प्रयोग अफ़ग़ानिस्तान में मिले अभिलेखों में किया गया था।

HISTORY
THEME 02

Kings, Farmers and Towns Early States and Economies (c. 600 BCE-600 CE)

राजा, किसान और नगर आरंभिक राज्य और अर्थव्यवस्थाएँ (लगभग 600 ई.पू. से 600 ई.)

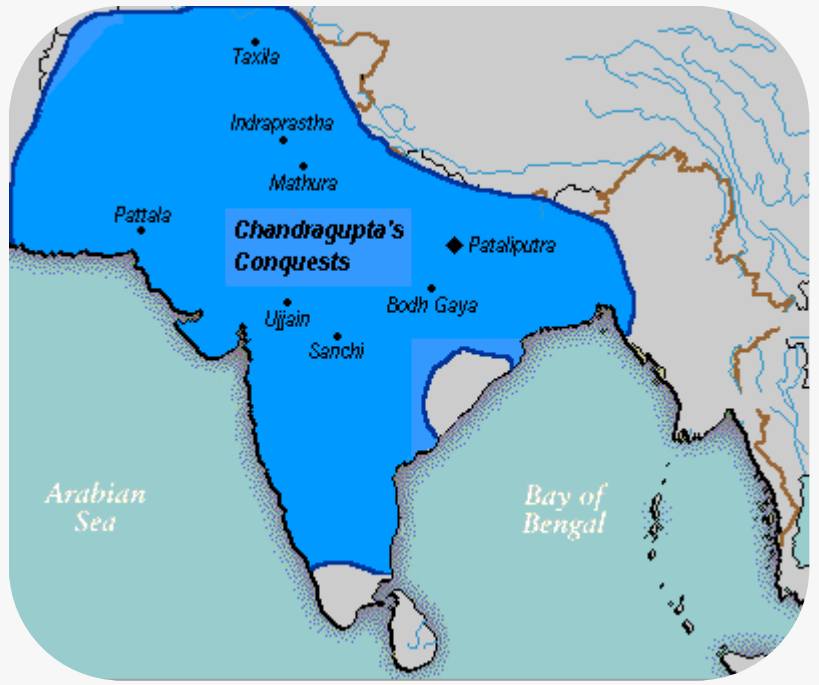

Growth of Magadha culminated in the emergence of the Mauryan Empire.

मगध के विकास के साथ-साथ मौर्य साम्राज्य का उदय हुआ।

Chandragupta Maurya, who founded the empire

मौर्य साम्राज्य के संस्थापक चंद्रगुप्त मौर्य।

HISTORY
THEME 02

Kings, Farmers and Towns Early States and Economies (c. 600 BCE-600 CE)

राजा, किसान और नगर आरंभिक राज्य और अर्थव्यवस्थाएँ (लगभग 600 ई.पू. से 600 ई.)

Sculpture

मूर्तिकला

Megasthenes (a Greek ambassador to the court of Chandragupta Maurya)

चंद्रगुप्त मौर्य के दरबार में आए यूनानी राजदूत मेगस्थनीज़ द्वारा लिखा गया विवरण।

HISTORY
THEME 02

Kings, Farmers and Towns Early States and Economies (c. 600 BCE-600 CE)

राजा, किसान और नगर आरंभिक राज्य और अर्थव्यवस्थाएँ (लगभग 600 ई.पू. से 600 ई.)

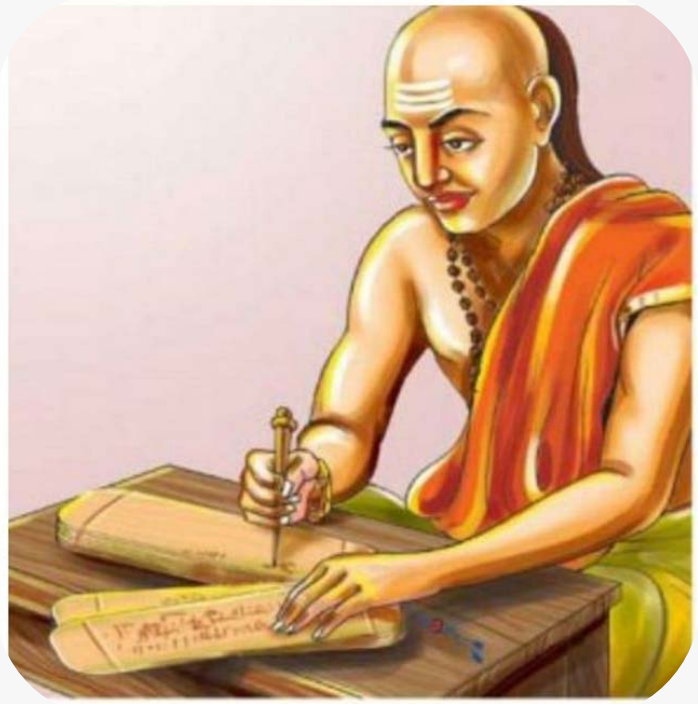

Arthashastra, parts of which were probably composed by Kautilya or Chanakya

अर्थशास्त्र के कुछ भागों की रचना कौटिल्य या चाणक्य ने की थी।

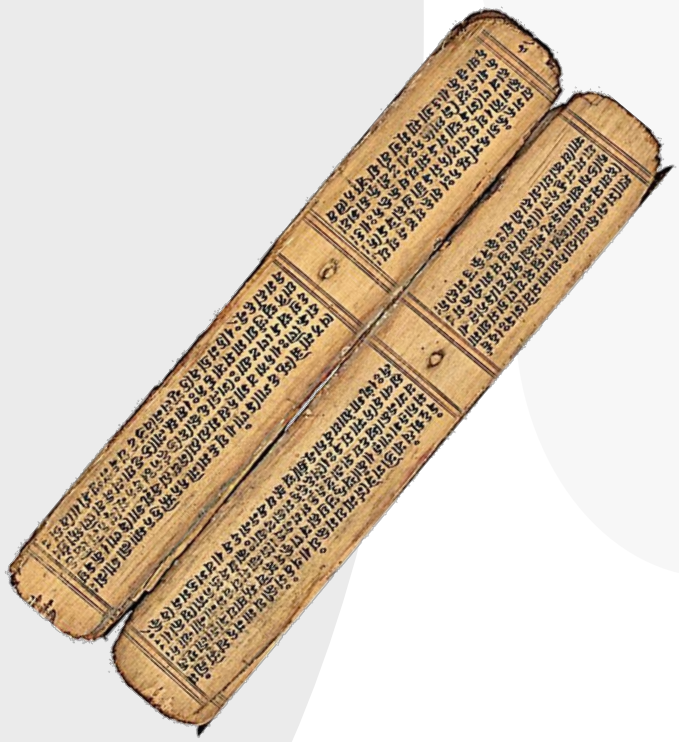

Mauryas are mentioned in later Buddhist, Jaina and Puranic literature, as well as in Sanskrit literary works.

मौर्य शासकों का उल्लेख परवर्ती जैन, बौद्ध और पौराणिक ग्रंथों तथा संस्कृत वाङ्मय में भी मिलता है।

HISTORY
THEME 02

Kings, Farmers and Towns Early States and Economies (c. 600 BCE-600 CE)

राजा, किसान और नगर आरंभिक राज्य और अर्थव्यवस्थाएँ (लगभग 600 ई.पू. से 600 ई.)

Asoka was the first ruler who inscribed his messages to his subjects and officials on stone surfaces – natural rocks as well as polished pillars

असोक वह पहला सम्राट था जिसने अपने अधिकारियों और प्रजा के लिए संदेश प्राकृतिक पत्थरों और पॉलिश किए हुए स्तंभों पर लिखवाए थे।

HISTORY
THEME 02

Kings, Farmers and Towns Early States and Economies (c. 600 BCE-600 CE)

राजा, किसान और नगर आरंभिक राज्य और अर्थव्यवस्थाएँ (लगभग 600 ई.पू. से 600 ई.)

What he understood to be dhamma. This included respect towards elders, generosity towards Brahmanas and those who renounced worldly life, treating slaves and servants kindly, and respect for religions and traditions other than one's own.

असोक ने अपने अभिलेखों के माध्यम से धम्म का प्रचार किया। इनमें बड़ों के प्रति आदर, संन्यासियों और ब्राह्मणों के प्रति उदारता, सेवकों और दासों के साथ उदार व्यवहार तथा दूसरे के धर्मों और परंपराओं का आदर शामिल हैं।

HISTORY
THEME 02

Kings, Farmers and Towns Early States and Economies (c. 600 BCE-600 CE)

राजा, किसान और नगर आरंभिक राज्य और अर्थव्यवस्थाएँ (लगभग 600 ई.पू. से 600 ई.)

Five major political centres in the empire – the capital Pataliputra and the provincial centres of Taxila, Ujjayini, Tosali and Suvarnagiri, all mentioned in Asokan inscriptions.

मौर्य साम्राज्य के पाँच प्रमुख राजनीतिक केंद्र थे, राजधानी पाटलिपुत्र और चार प्रांतीय केंद्र–तक्षशिला, उज्जयिनी, तोसलि और सुवर्णगिरि। इन सबका उल्लेख असोक के अभिलेखों में किया गया है।

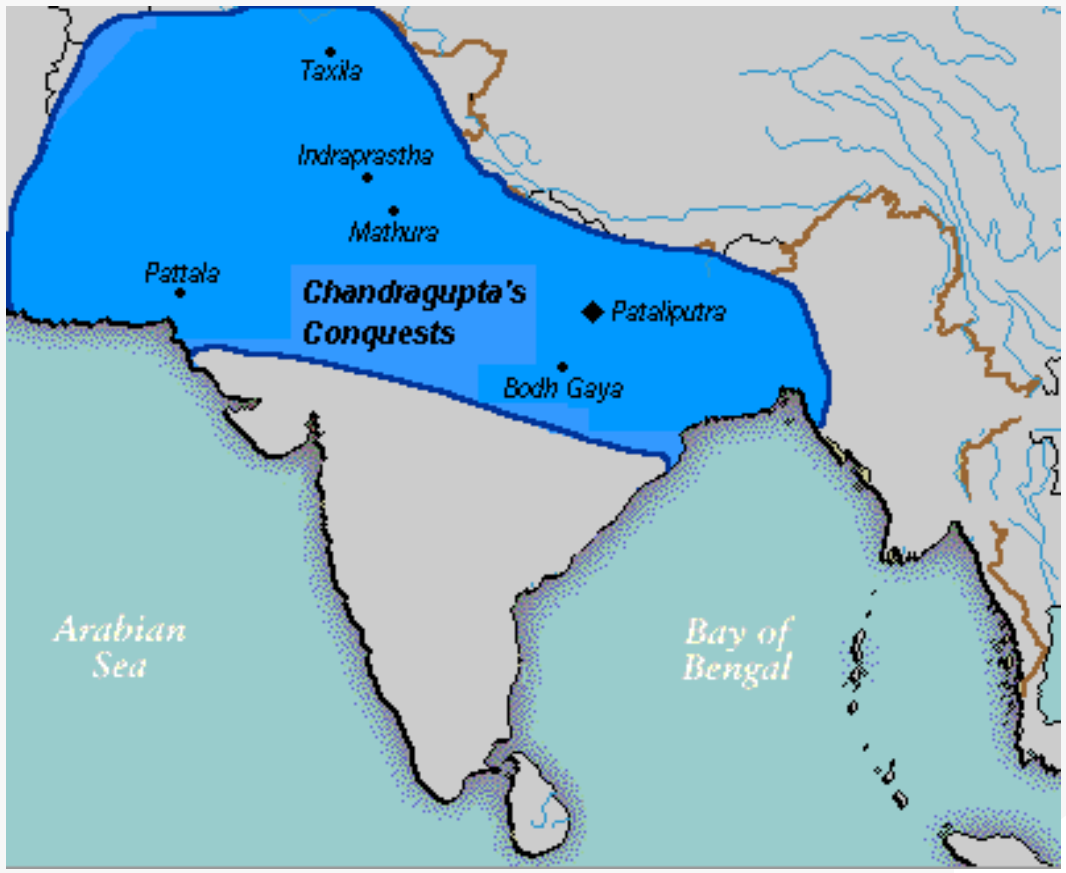

HISTORY
THEME 02

Kings, Farmers and Towns Early States and Economies (c. 600 BCE-600 CE)

राजा, किसान और नगर आरंभिक राज्य और अर्थव्यवस्थाएँ (लगभग 600 ई.पू. से 600 ई.)

Administrative control was strongest in areas around the capital and the provincial centres.

सबसे प्रबल प्रशासनिक नियंत्रण साम्राज्य की राजधानी तथा उसके आसपास के प्रांतीय केंद्रों पर रहा हो।

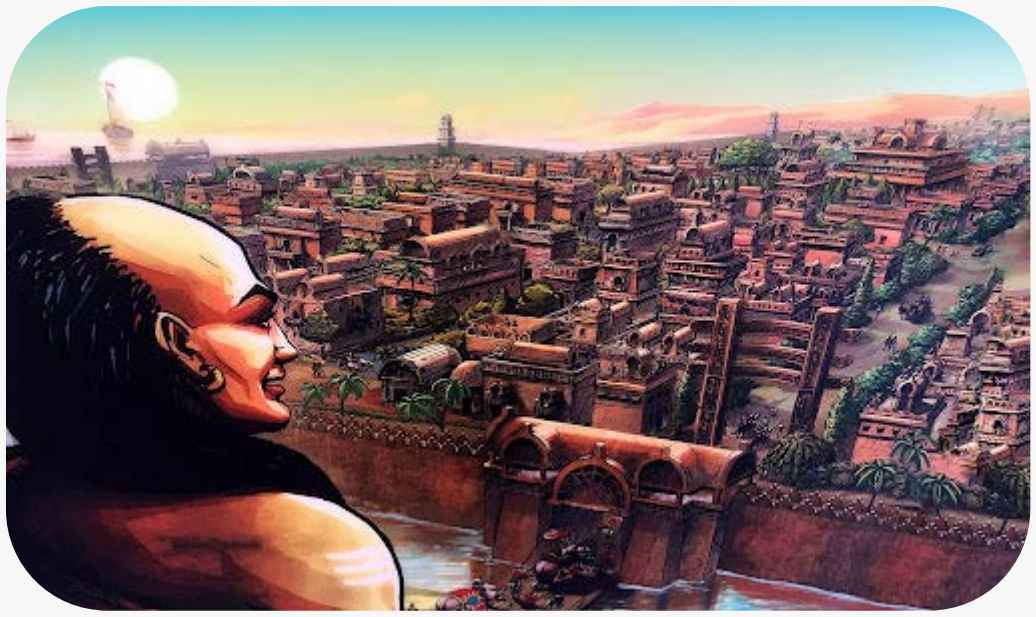

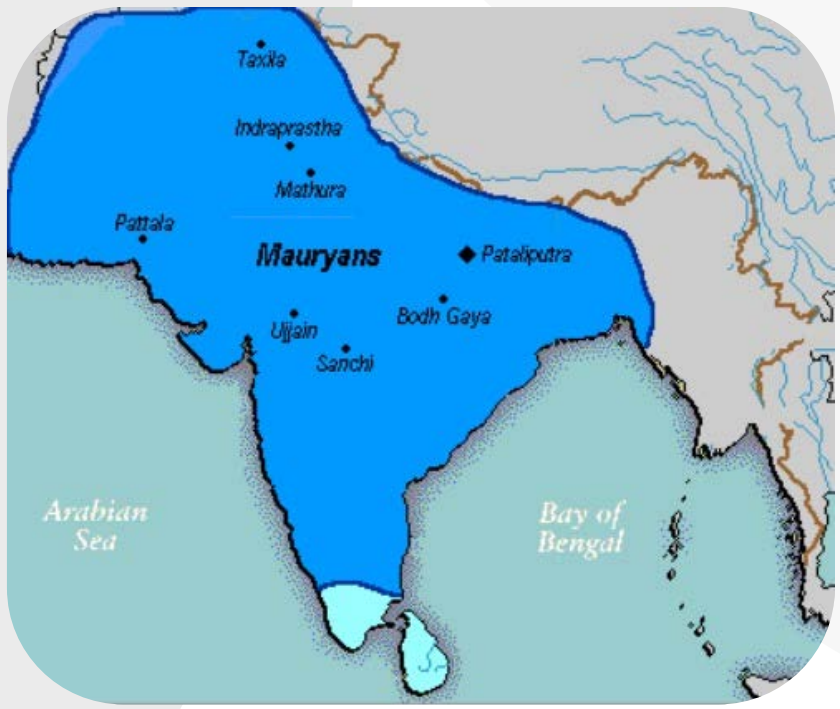

Both Taxila and Ujjayini being situated on important long-distance trade routes

तक्षशिला और उज्जयिनी दोनों लंबी दूरी वाले महत्वपूर्ण व्यापार मार्ग पर स्थित थे।

HISTORY
THEME 02

Kings, Farmers and Towns Early States and Economies (c. 600 BCE-600 CE)

राजा, किसान और नगर आरंभिक राज्य और अर्थव्यवस्थाएँ (लगभग 600 ई.पू. से 600 ई.)

Suvarnagiri (literally, the golden mountain) was possibly important for tapping the gold mines of Karnataka.

सुवर्णगिरि (अर्थात् सोने के पहाड़) कर्नाटक में सोने की खदान के लिए उपयोगी था।

HISTORY
THEME 02

Kings, Farmers and Towns Early States and Economies (c. 600 BCE-600 CE)

राजा, किसान और नगर आरंभिक राज्य और अर्थव्यवस्थाएँ (लगभग 600 ई.पू. से 600 ई.)

What the king's officials did

Here is an excerpt from the account of Megasthenes: Of the great officers of state, some ... superintend the rivers, measure the land, as is done in Egypt, and inspect the sluices by which water is let out from the main canals into their branches, so that every one may have an equal supply of it.

सम्राट के अधिकारी क्या-क्या कार्य करते थे?

मेगस्थनीज़ के विवरण का एक अंश दिया गया है। साम्राज्य के महान अधिकारियों में से कुछ नदियों की देख-रेख और भूमि मापन का काम करते हैं जैसा कि मिस्र में होता था। कुछ प्रमुख नहरों से उपनहरों के लिए छोड़े जाने वाले पानी के मुखद्वार का निरीक्षण करते हैं ताकि हर स्थान पर पानी की समान पूर्ति हो सके।

Kings, Farmers and Towns Early States and Economies (c. 600 BCE-600 CE)

राजा, किसान और नगर आरंभिक राज्य और अर्थव्यवस्थाएँ (लगभग 600 ई.पू. से 600 ई.)

The same persons have charge also of the huntsmen, and are entrusted with the power of rewarding or punishing them according to their deserts. They collect the taxes, and superintend the occupations connected with land; as those of the woodcutters, the carpenters, the blacksmiths, and the miners.

यही अधिकारी शिकारियों का संचालन करते हैं और शिकारियों के कृत्यों के आधार पर उन्हें इनाम या दंड देते हैं। वे कर वसूली करते हैं और भूमि से जुड़े सभी व्यवसायों का निरीक्षण करते हैं साथ ही लकड़हारों, बढ़ई, लोहारों और खननकर्ताओं का भी निरीक्षण करते हैं।

HISTORY
THEME 02

Kings, Farmers and Towns Early States and Economies (c. 600 BCE-600 CE)

राजा, किसान और नगर आरंभिक राज्य और अर्थव्यवस्थाएँ (लगभग 600 ई.पू. से 600 ई.)

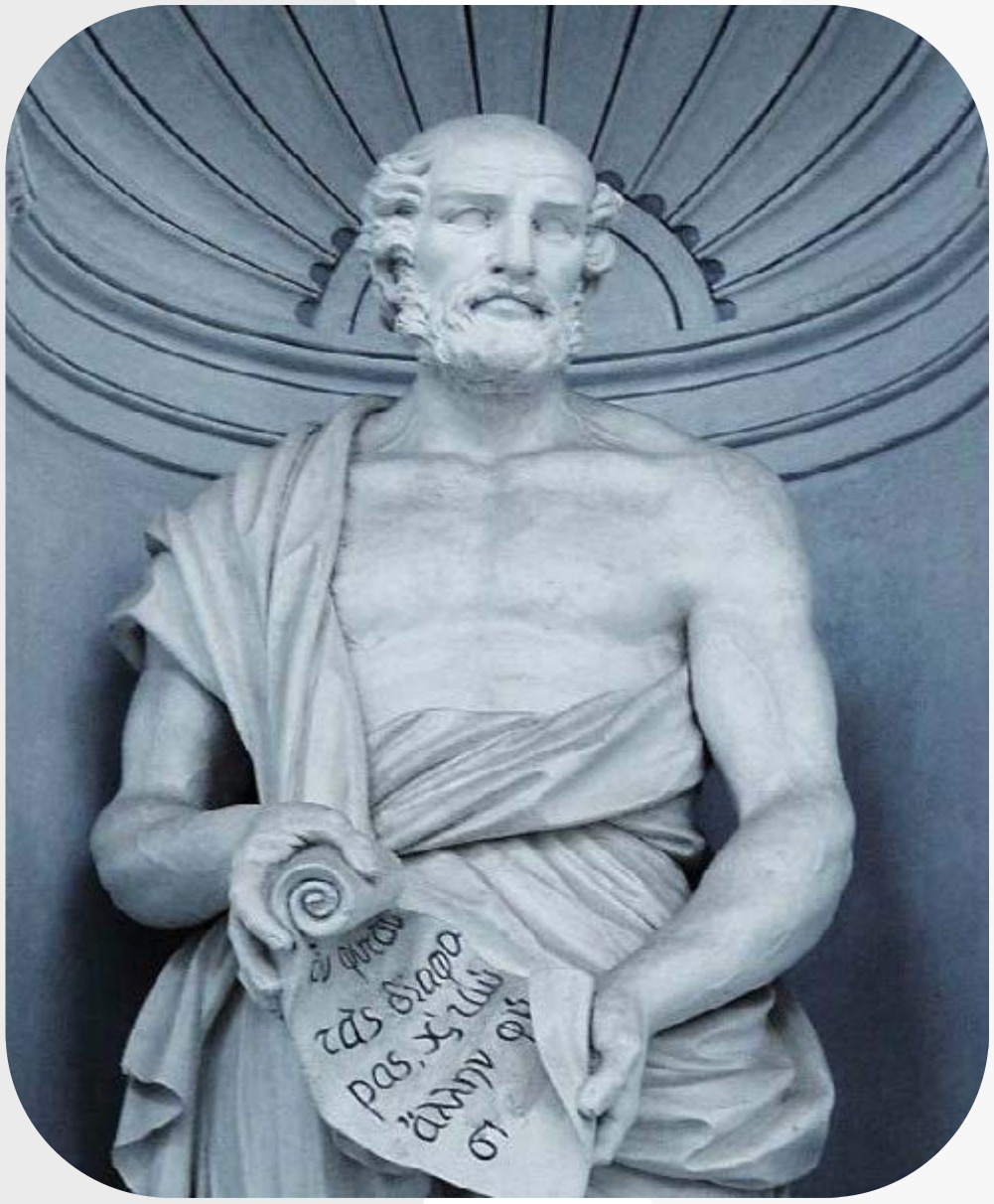

- **Megasthenes mentions a committee with six subcommittees for coordinating military activity.**
- मेगस्थनीज़ ने सैनिक गतिविधियों के संचालन के लिए एक समिति और छः उपसमितियों का उल्लेख किया है।

HISTORY
THEME 02

Kings, Farmers and Towns Early States and Economies (c. 600 BCE-600 CE)

राजा, किसान और नगर आरंभिक राज्य और अर्थव्यवस्थाएँ (लगभग 600 ई.पू. से 600 ई.)

- Of these, one looked after the navy, the second managed transport and provisions, the third was responsible for foot-soldiers, the fourth for horses, the fifth for chariots and the sixth for elephants.

- इनमें से एक का काम नौसेना का संचालन करना था, तो दूसरी यातायात और खान-पान का संचालन करती थी, तीसरी का काम पैदल सैनिकों का संचालन, चौथी का अश्वारोहियों, पाँचवीं का रथारोहियों तथा छठी का काम हाथियों का संचालन करना था।

Kings, Farmers and Towns Early States and Economies (c. 600 BCE-600 CE)

राजा, किसान और नगर आरंभिक राज्य और अर्थव्यवस्थाएँ (लगभग 600 ई.पू. से 600 ई.)

Asoka also tried to hold his empire together by propagating dhamma

असोक ने अपने साम्राज्य को अखंड बनाए रखने का प्रयास किया। ऐसा उन्होंने धम्म के प्रचार द्वारा भी किया।

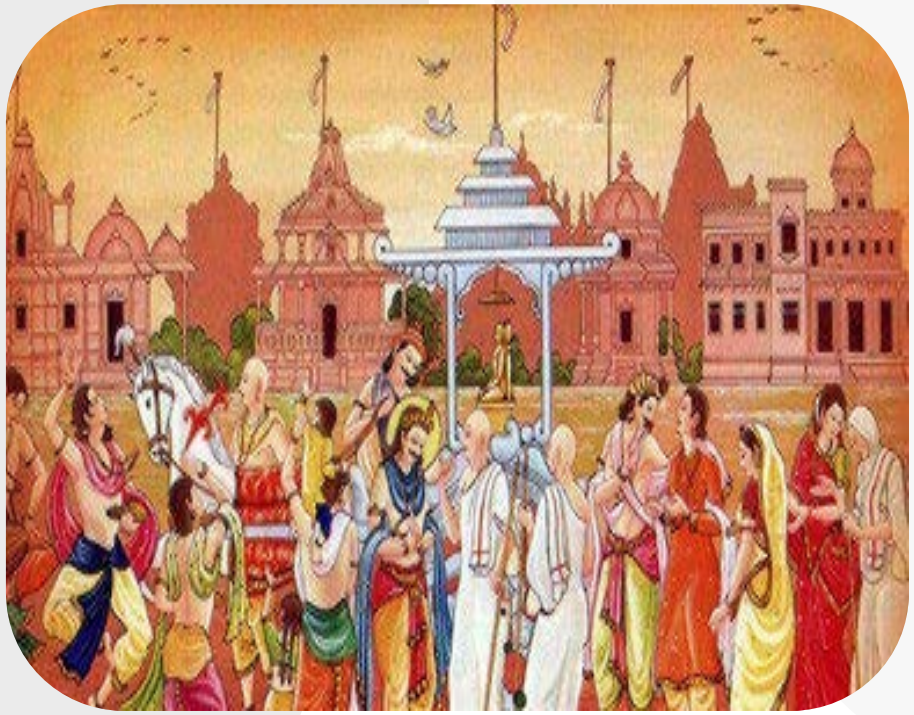

Dhamma mahamatta, were appointed to spread the message of dhamma.

धम्म के प्रचार के लिए धम्म महामात्त नाम से विशेष अधिकारियों की नियुक्ति की गई।

HISTORY
THEME 02

Kings, Farmers and Towns Early States and Economies (c. 600 BCE-600 CE)

राजा, किसान और नगर आरंभिक राज्य और अर्थव्यवस्थाएँ (लगभग 600 ई.पू. से 600 ई.)

Asoka was more powerful and industrious, as also more humble than later rulers who adopted grandiose titles.

असोक एक बहुत शक्तिशाली और परिश्रमी शासक थे। साथ ही वे बाद के उन राजाओं की अपेक्षा विनीत भी थे जो अपने नाम के साथ बड़ी-बड़ी उपाधियाँ जोड़ते थे।

HISTORY
THEME 02

Kings, Farmers and Towns Early States and Economies (c. 600 BCE-600 CE)

राजा, किसान और नगर आरंभिक राज्य और अर्थव्यवस्थाएँ (लगभग 600 ई.पू. से 600 ई.)

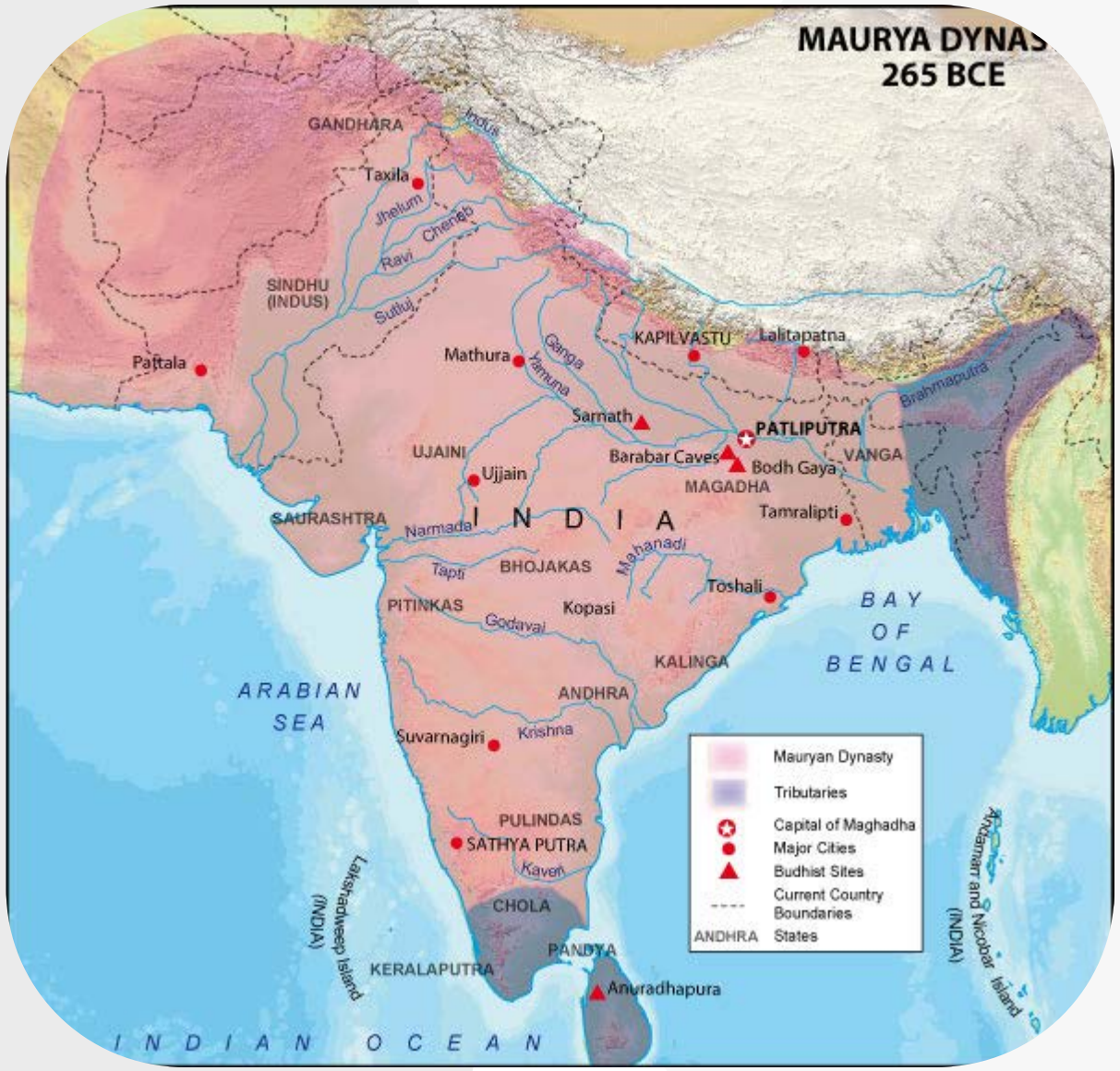

Empire did not encompass the entire subcontinent. And even within the frontiers of the empire, control was not uniform.

मौर्य साम्राज्य उपमहाद्वीप के सभी क्षेत्रों में नहीं फैल पाया था। यहाँ तक कि साम्राज्य की सीमा के अंतर्गत भी नियंत्रण एकसमान नहीं था।

HISTORY THEME 02

Kings, Farmers and Towns Early States and Economies (c. 600 BCE-600 CE)

राजा, किसान और नगर आरंभिक राज्य और अर्थव्यवस्थाएँ (लगभग 600 ई.पू. से 600 ई.)

New kingdoms that emerged in the Deccan and further south, including the chiefdoms of the Cholas, Cheras and Pandyas in Tamilakam (the name of the ancient Tamil country, which included parts of present-day Andhra Pradesh and Kerala, in addition to Tamil Nadu), proved to be stable and prosperous.

उपमहाद्वीप के दक्कन और उससे दक्षिण के क्षेत्र में स्थित तमिलकम (अर्थात् तमिलनाडु एवं आंध्र प्रदेश और केरल के कुछ हिस्से) में चोल, चेर और पाण्ड्य जैसी सरदारियों का उदय हुआ। ये राज्य बहुत ही समृद्ध और स्थायी सिद्ध हुए।

HISTORY
THEME 02

Kings, Farmers and Towns Early States and Economies (c. 600 BCE-600 CE)

राजा, किसान और नगर आरंभिक राज्य और अर्थव्यवस्थाएँ (लगभग 600 ई.पू. से 600 ई.)

Chiefs and chiefdoms

A chief is a powerful man whose position may or may not be hereditary. He derives support from his kinfolk. His functions may include performing special rituals, leadership in warfare, and arbitrating disputes.

सरदार और सरदारी

सरदार एक शक्तिशाली व्यक्ति होता है जिसका पद वंशानुगत भी हो सकता है और नहीं भी। उसके समर्थक उसके खानदान के लोग होते हैं। सरदार के कार्यों में विशेष अनुष्ठान का संचालन, युद्ध के समय नेतृत्व करना और विवादों को सुलझाने में मध्यस्थता की भूमिका निभाना शामिल है।

Kings, Farmers and Towns Early States and Economies (c. 600 BCE-600 CE)

राजा, किसान और नगर आरंभिक राज्य और अर्थव्यवस्थाएँ (लगभग 600 ई.पू. से 600 ई.)

Capturing elephants for the army

The Arthashastra lays down minute details of administrative and military organisation. This is what it says about how to capture elephants:

सेना के लिए हाथी पकड़ना

अर्थशास्त्र में सैनिक और प्रशासनिक संगठन के बारे में विस्तृत विवरण मिलते हैं। मिसाल के तौर पर हाथी को पकड़ने के उपाय के बारे में उसमें यह लिखा है:

HISTORY
THEME 02

Kings, Farmers and Towns Early States and Economies (c. 600 BCE-600 CE)

राजा, किसान और नगर आरंभिक राज्य और अर्थव्यवस्थाएँ (लगभग 600 ई.पू. से 600 ई.)

Guards of elephant forests, assisted by those who rear elephants, those who enchain the legs of elephants, those who guard the boundaries, those who live in forests, as well as by those who nurse elephants, shall, with the help of five or seven female elephants to help in tethering wild ones, trace the whereabouts of herds of elephants by following the course of urine and dung left by elephants.

हाथी वनों के संरक्षक हाथियों को पालने वाले लोगों, हाथी के पैरों में जंज़ीर बाँधने वाले लोगों, सीमारक्षकों, वनवासियों और महावतों के साथ मिलकर पाँच से सात हथिनियों की मदद से, जंगली हाथियों द्वारा गिराए गए मलमूत्र को पहचानते हुए उन्हें पकड़ने का काम करते थे।

HISTORY
THEME 02

Kings, Farmers and Towns Early States and Economies (c. 600 BCE-600 CE)

राजा, किसान और नगर आरंभिक राज्य और अर्थव्यवस्थाएँ (लगभग 600 ई.पू. से 600 ई.)

According to Greek sources, the Mauryan ruler had a standing army of 600,000 foot-soldiers, 30,000 cavalry and 9,000 elephants. Some historians consider these accounts to be exaggerated.

यूनानी स्रोतों के अनुसार, मौर्य सम्राट के पास छः लाख पैदल सैनिक, तीस हज़ार घुड़सवार तथा नौ हज़ार हाथी थे। कुछ इतिहासकार इस विवरण को अतिशयोक्तिपूर्ण मानते हैं।

HISTORY
THEME 02

Kings, Farmers and Towns Early States and Economies (c. 600 BCE-600 CE)

राजा, किसान और नगर आरंभिक राज्य और अर्थव्यवस्थाएँ (लगभग 600 ई.पू. से 600 ई.)

Early Tamil Sangam texts contain poems describing chiefs and the ways in which they acquired and distributed resources.

प्राचीन तमिल संगम ग्रंथों में ऐसी कविताएँ हैं जो सरदारों का विवरण देती हैं कि उन्होंने अपने स्रोतों का संकलन और वितरण किस प्रकार से किया।

HISTORY
THEME 02

Kings, Farmers and Towns Early States and Economies (c. 600 BCE-600 CE)

राजा, किसान और नगर आरंभिक राज्य और अर्थव्यवस्थाएँ (लगभग 600 ई.पू. से 600 ई.)

The Pandya chief Senguttuvan visits the forest

This is an excerpt from the Silappadikaram, an epic written in Tamil: (When he visited the forest) people came down the mountain, singing and dancing ... just as the defeated show respect to the victorious king

पाण्ड्य सरदार सेनगुत्तुवन की वनयात्रा

यह तमिल महाकाव्य सिलप्पादिकारम् का एक अंश है : जब वह वन की यात्रा पर थे तो लोग नाचते-गाते हुए पहाड़ों से उतरे ठीक उसी तरह जैसे पराजित लोग विजयी का आदर करते हैं।

HISTORY
THEME 02

Kings, Farmers and Towns Early States and Economies (c. 600 BCE-600 CE)

राजा, किसान और नगर आरंभिक राज्य और अर्थव्यवस्थाएँ (लगभग 600 ई.पू. से 600 ई.)

So did they bring gifts – ivory, fragrant wood, fans made of the hair of deer, honey, sandalwood, red ochre, antimony, turmeric, cardamom, pepper, etc. they brought coconuts, mangoes, medicinal plants, fruits, onions, sugarcane, flowers, areca nut, bananas, baby tigers, lions, elephants, monkeys, bear, deer, musk deer, fox, peacocks, musk cat, wild cocks, speaking parrots, etc. ...

वे अपने साथ उपहार लाए, जिनमें हाथी दाँत, सुगंधित लकड़ी, हिरणों के बाल से बने चँवर, मधु, चंदन, गेरू, सुरमा, हल्दी, इलायची, मिर्च आदि वस्तुएँ थीं।वे अपने साथ नारियल, आम, जड़ी-बूटी, फल, प्याज, गन्ना, फूल, सुपारी, केला, बाघों के बच्चे, शेर, हाथी, बंदर, भालू, हिरण, कस्तूरी मृग, लोमड़ी, मोर, जंगली मुर्गे, बोलने वाले तोते आदि भी लाए।

HISTORY
THEME 02

Kings, Farmers and Towns Early States and Economies (c. 600 BCE-600 CE)

राजा, किसान और नगर आरंभिक राज्य और अर्थव्यवस्थाएँ (लगभग 600 ई.पू. से 600 ई.)

One means of claiming high status was to identify with a variety of deities. This strategy is best exemplified by the Kushanas

राजाओं के लिए उच्च स्थिति प्राप्त करने का एक साधन विभिन्न देवी–देवताओं के साथ जुड़ना था। कुषाण शासकों ने इस उपाय का सबसे अच्छा उद्धरण प्रस्तुत किया।

A Kushana coin
Obverse: King Kanishka
Reverse: A deity

HISTORY
THEME 02

Kings, Farmers and Towns Early States and Economies (c. 600 BCE-600 CE)

राजा, किसान और नगर आरंभिक राज्य और अर्थव्यवस्थाएँ (लगभग 600 ई.पू. से 600 ई.)

ins and sculpture. Colossal statues of Kushana rulers have been found installed in a shrine at Mat near Mathura

मथुरा के पास माट के एक देवस्थान पर कुषाण शासकों की विशालकाय मूर्तियाँ लगाई गई थीं।

HISTORY
THEME 02

Kings, Farmers and Towns Early States and Economies (c. 600 BCE-600 CE)

राजा, किसान और नगर आरंभिक राज्य और अर्थव्यवस्थाएँ (लगभग 600 ई.पू. से 600 ई.)

Afghanistan as well

अफ़गानिस्तान

Kushana rulers also adopted the title devaputra, or "son of god"

कुषाण शासकों ने अपने नाम के आगे 'देवपुत्र' की उपाधि भी लगाई थी।

HISTORY
THEME 02

Kings, Farmers and Towns Early States and Economies (c. 600 BCE-600 CE)

राजा, किसान और नगर आरंभिक राज्य और अर्थव्यवस्थाएँ (लगभग 600 ई.पू. से 600 ई.)

Fourth century there is evidence of larger states, including the Gupta Empire. Many of these depended on samantas, men who maintained themselves through local resources including control over land.

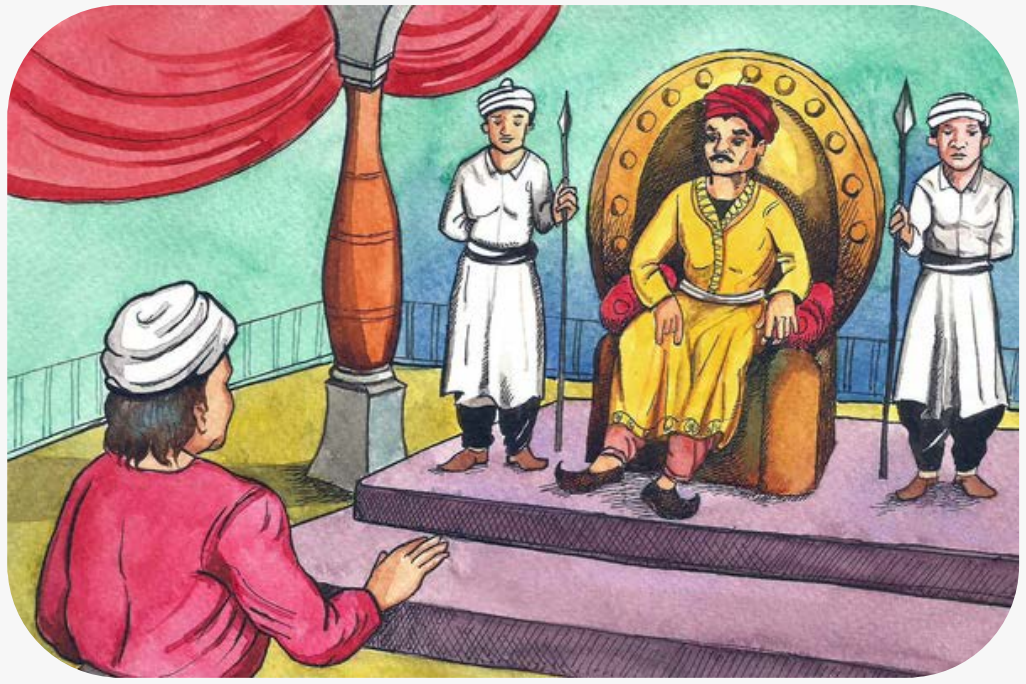

चौथी शताब्दी ई. में गुप्त साम्राज्य सहित कई बड़े साम्राज्यों के साक्ष्य मिलते हैं। इनमें से कई साम्राज्य सामंतों पर निर्भर थे। अपना निर्वाह स्थानीय संसाधनों द्वारा करते थे जिसमें भूमि पर नियंत्रण भी शामिल था।

HISTORY
THEME 02

Kings, Farmers and Towns Early States and Economies (c. 600 BCE-600 CE)

राजा, किसान और नगर आरंभिक राज्य और अर्थव्यवस्थाएँ (लगभग 600 ई.पू. से 600 ई.)

Powerful samantas could become kings: conversely, weak rulers might find themselves being reduced to positions of subordination.

जो सामंत शक्तिशाली होते थे वे राजा भी बन जाते थे और जो राजा दुर्बल होते थे, वे बड़े शासकों के अधीन हो जाते थे।

HISTORY
THEME 02

Kings, Farmers and Towns Early States and Economies (c. 600 BCE-600 CE)

राजा, किसान और नगर आरंभिक राज्य और अर्थव्यवस्थाएँ (लगभग 600 ई.पू. से 600 ई.)

Histories of the Gupta rulers have been reconstructed from literature, coins and inscriptions, including prashastis, composed in praise of kings in particular, and patrons in general, by poets.

गुप्त शासकों का इतिहास साहित्य, सिक्कों और अभिलेखों की सहायता से लिखा गया है। साथ ही कवियों द्वारा अपने राजा या स्वामी की प्रशंसा में लिखी प्रशस्तियाँ भी उपयोगी रही हैं।

A Kushana coin
Obverse: King Kanishka
Reverse: A deity

HISTORY
THEME 02

Kings, Farmers and Towns Early States and Economies (c. 600 BCE-600 CE)

राजा, किसान और नगर आरंभिक राज्य और अर्थव्यवस्थाएँ (लगभग 600 ई.पू. से 600 ई.)

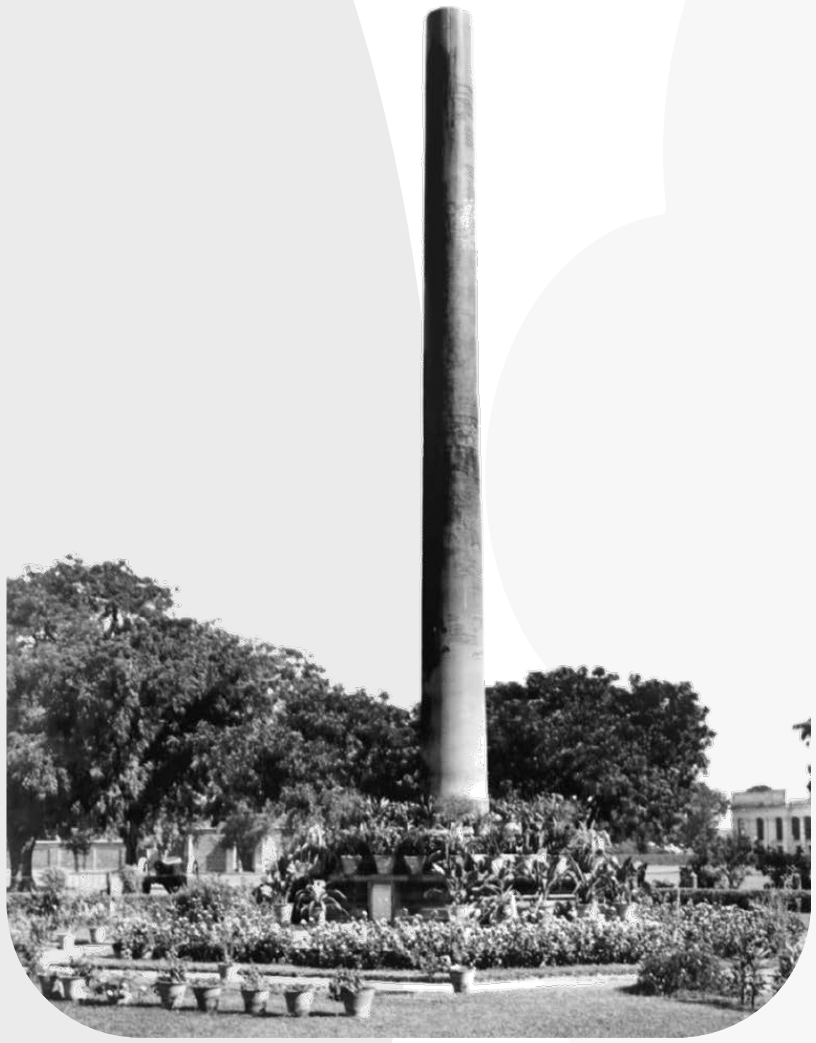

Prayaga Prashasti (also known as the Allahabad Pillar Inscription) composed in Sanskrit by Harishena, the court poet of Samudragupta, arguably the most powerful of the Gupta rulers

इलाहाबाद स्तंभ अभिलेख के नाम से प्रसिद्ध प्रयाग प्रशस्ति की रचना हरिषेण जो स्वयं गुप्त सम्राटों के संभवतः सबसे शक्तिशाली सम्राट समुद्रगुप्त के राजकवि थे, ने संस्कृत में की थी।

HISTORY
THEME 02

Kings, Farmers and Towns Early States and Economies (c. 600 BCE-600 CE)

राजा, किसान और नगर आरंभिक राज्य और अर्थव्यवस्थाएँ (लगभग 600 ई.पू. से 600 ई.)

In praise of Samudragupta

This is an excerpt from the Prayaga Prashasti: He was without an antagonist on earth; he, by the overflowing of the multitude of (his) many good qualities adorned by hundreds of good actions, has wiped off the fame of other kings with the soles of (his) feet; (he is) Purusha (the Supreme Being), being the cause of the prosperity of the good and the destruction of the bad (he is) incomprehensible; (he is) one whose tender heart can be captured only by devotion and humility.

समुद्रगुप्त की प्रशस्ति

यह प्रयाग प्रशस्ति का एक अंश है : धरती पर उनका कोई प्रतिद्वंद्वी नहीं था। अनेक गुणों और शुभकार्यों से संपन्न उन्होंने अपने पैर के तलवे से अन्य राजाओं के यश को मिटा दिया है। वे परमात्मा पुरुष हैं, साधु (भले) की समृद्धि और असाधु (बुरे) के विनाश के कारण हैं। वे अज्ञेय हैं। उनके कोमल हृदय को भक्ति और विनय से ही वश में किया जा सकता है।

Kings, Farmers and Towns Early States and Economies (c. 600 BCE-600 CE)

राजा, किसान और नगर आरंभिक राज्य और अर्थव्यवस्थाएँ (लगभग 600 ई.पू. से 600 ई.)

(he is) possessed of compassion; (he is) the giver of many hundred-thousands of cows; (his) mind has received ceremonial initiation for the uplift of the miserable, the poor, the forlorn and the suffering; (he is) resplendent and embodied kindness to mankind; (he is) equal to (the gods) Kubera (the god of wealth), Varuna (the god of the ocean), Indra (the god of rains) and Yama (the god of death).

वे अनेक सहस्र गायों के दाता हैं। उनके मस्तिष्क की दीक्षा दीन-दुखियों, विरहणियों और पीड़ितों के उद्धार के लिए की गई है। वे मानवता के लिए दिव्यमान उदारता की प्रतिमूर्ति हैं। वे देवताओं में कुबेर (धन-देव), वरुण (समुद्र-देव), इंद्र (वर्षा के देवता) और यम (मृत्यु-देव) के तुल्य हैं।

HISTORY
THEME 02

Kings, Farmers and Towns Early States and Economies (c. 600 BCE-600 CE)

राजा, किसान और नगर आरंभिक राज्य और अर्थव्यवस्थाएँ (लगभग 600 ई.पू. से 600 ई.)

inscriptions do not provide all the answers

अभिलेखों से सभी जवाब नहीं मिलते हैं।

Historians have tried to solve this problem by examining stories

इतिहासकारों ने इसका निराकरण करने का प्रयास किया है।

HISTORY
THEME 02

Kings, Farmers and Towns Early States and Economies (c. 600 BCE-600 CE)

राजा, किसान और नगर आरंभिक राज्य और अर्थव्यवस्थाएँ (लगभग 600 ई.पू. से 600 ई.)

Jatakas and the Panchatantra

जातक और पंचतंत्र

Jatakas were written in Pali

जातक कथाएँ पालि भाषा में लिखी गईं।

Kings, Farmers and Towns Early States and Economies (c. 600 BCE-600 CE)

राजा, किसान और नगर आरंभिक राज्य और अर्थव्यवस्थाएँ (लगभग 600 ई.पू. से 600 ई.)

Transplantation is used for paddy cultivation in areas where water is plentiful. Here, seeds are first broadcast; when the saplings have grown they are transplanted in waterlogged fields. This ensures a higher ratio of survival of saplings and higher yields.

धान की रोपाई उन क्षेत्रों में की जाती है जहाँ पानी बहुतायत मात्रा में होता है। इसमें पहले धान के बीज अंकुरित करके पानी से भरे खेतों में पौधों की रोपाई की जाती है। चूँकि ज़्यादा मात्रा में पौध बच जाती है अतः इससे धान की उपज बढ़ जाती है।

HISTORY
THEME 02

Kings, Farmers and Towns Early States and Economies (c. 600 BCE-600 CE)

राजा, किसान और नगर आरंभिक राज्य और अर्थव्यवस्थाएँ (लगभग 600 ई.पू. से 600 ई.)

Shift to plough agriculture

हल का प्रचलन था।

iron-tipped ploughshare was used to

लोहे के फाल वाले हलों के माध्यम से।

HISTORY
THEME 02

Kings, Farmers and Towns Early States and Economies (c. 600 BCE-600 CE)

राजा, किसान और नगर आरंभिक राज्य और अर्थव्यवस्थाएँ (लगभग 600 ई.पू. से 600 ई.)

Production of paddy

धान की रोपाई

introduction of transplantation

उपज में भारी वृद्धि

HISTORY
THEME 02

Kings, Farmers and Towns Early States and Economies (c. 600 BCE-600 CE)

राजा, किसान और नगर आरंभिक राज्य और अर्थव्यवस्थाएँ (लगभग 600 ई.पू. से 600 ई.)

Use of irrigation, through wells and tanks, and less commonly, canals.

कुओं, तालाबों और कहीं-कहीं नहरों के माध्यम से सिंचाई करना था।

HISTORY
THEME 02

Kings, Farmers and Towns Early States and Economies (c. 600 BCE-600 CE)

राजा, किसान और नगर आरंभिक राज्य और अर्थव्यवस्थाएँ (लगभग 600 ई.पू. से 600 ई.)

Large landholders, as well as the village headman (whose position was often hereditary), emerged as powerful figures, and often exercised control over other cultivators.

बड़े-बड़े ज़मींदार और ग्राम प्रधान शक्तिशाली माने जाते थे जो प्रायः किसानों पर नियंत्रण रखते थे। ग्राम प्रधान का पद प्रायः वंशानुगत होता था।

HISTORY
THEME 02

Kings, Farmers and Towns Early States and Economies (c. 600 BCE-600 CE)

राजा, किसान और नगर आरंभिक राज्य और अर्थव्यवस्थाएँ (लगभग 600 ई.पू. से 600 ई.)

Tamil literature (the Sangam texts) also mentions different categories of people living in the villages

तमिल संगम साहित्य में भी गाँवों में रहने वाले विभिन्न वर्गों के लोगों का उल्लेख है

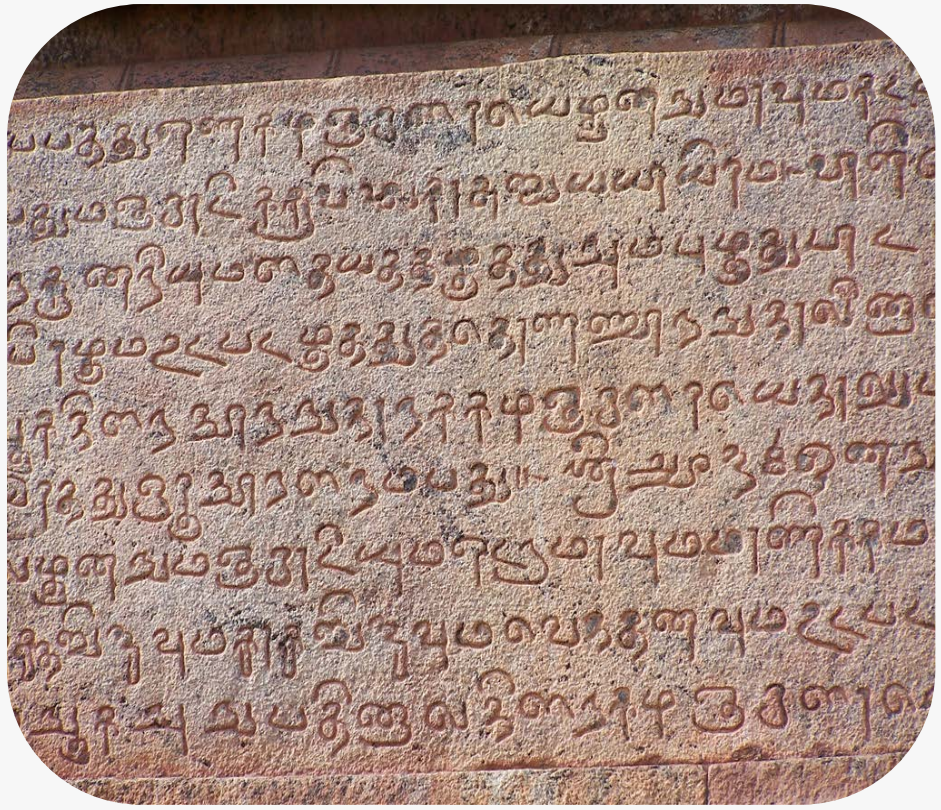

Kings, Farmers and Towns Early States and Economies (c. 600 BCE-600 CE)

राजा, किसान और नगर आरंभिक राज्य और अर्थव्यवस्थाएँ (लगभग 600 ई.पू. से 600 ई.)

Gahapati

A gahapati was the owner, master or head of a household, who exercised control over the women, children, slaves and workers who shared a common residence

गहपति

गहपति घर का मुखिया होता था और घर में रहने वाली महिलाओं, बच्चों, नौकरों और दासों पर नियंत्रण करता था।

Kings, Farmers and Towns Early States and Economies (c. 600 BCE-600 CE)

राजा, किसान और नगर आरंभिक राज्य और अर्थव्यवस्थाएँ (लगभग 600 ई.पू. से 600 ई.)

He was also the owner of the resources – land, animals and other things – that belonged to the household. Sometimes the term was used as a marker of status for men belonging to the urban elite, including wealthy merchants.

घर से जुड़े भूमि, जानवर या अन्य सभी वस्तुओं का वह मालिक होता था। कभी-कभी इस शब्द का प्रयोग नगरों में रहने वाले संभ्रांत व्यक्तियों और व्यापारियों के लिए भी होता था।

HISTORY
THEME 02

Kings, Farmers and Towns Early States and Economies (c. 600 BCE-600 CE)

राजा, किसान और नगर आरंभिक राज्य और अर्थव्यवस्थाएँ (लगभग 600 ई.पू. से 600 ई.)

The importance of boundaries

The Manusmrti is one of the best-known legal texts of early India, written in Sanskrit and compiled between c. second century BCE and c. second century CE. This is what the text advises the king to do:

सीमाओं का महत्त्व

मनुस्मृति आरंभिक भारत का सबसे प्रसिद्ध विधिग्रंथ है। इसे संस्कृत भाषा में दूसरी शताब्दी ई.पू. और दूसरी शताब्दी ई. के बीच लिखा गया था। इस ग्रंथ में राजा को यह सलाह दी गई है :

HISTORY
THEME 02

Kings, Farmers and Towns Early States and Economies (c. 600 BCE-600 CE)

राजा, किसान और नगर आरंभिक राज्य और अर्थव्यवस्थाएँ (लगभग 600 ई.पू. से 600 ई.)

Seeing that in the world controversies constantly arise due to the ignorance of boundaries, he should ... have ... concealed boundary markers buried – stones, bones, cow's hair, chaff, ashes, potsherds, dried cow dung, bricks, coal, pebbles and sand. He should also have other similar substances that would not decay in the soil buried as hidden markers at the intersection of boundaries

चूँकि सीमाओं की अनभिज्ञता के कारण विश्व में बार-बार विवाद पैदा होते हैं इसलिए उसे सीमाओं की पहचान के लिए गुप्त निशान ज़मीन में गाड़ कर रखने चाहिए जैसे कि पत्थर, हड्डियाँ, गाय के बाल, भूसी, राख, खपटे, गाय के सूखे गोबर, ईंट, कोयला, कंकड़ और रेत। उसे सीमाओं पर इसी प्रकार के और तत्व भूमि में छुपा कर गाड़ने चाहिए जो समय के साथ नष्ट न हों।

HISTORY
THEME 02

Kings, Farmers and Towns Early States and Economies (c. 600 BCE-600 CE)

राजा, किसान और नगर आरंभिक राज्य और अर्थव्यवस्थाएँ (लगभग 600 ई.पू. से 600 ई.)

Life in a small village

The Harshacharita is a biography of Harshavardhana, the ruler of Kanauj (see Map 3), composed in Sanskrit by his court poet, Banabhatta (c. seventh century CE). This is an excerpt from the text, an extremely rare representation of life in a settlement on the outskirts of a forest in the Vindhyas:

एक छोटे गाँव का जीवन

हर्षचरित संस्कृत में लिखी गई कन्नौज (मानचित्र 3 देखिए) के शासक हर्षवर्धन की जीवनी है, इसके लेखक बाणभ' (लगभग सातवीं शताब्दी ई.) हर्षवर्धन के राजकवि थे। यह उस ग्रंथ का एक अंश है। इसमें विंध्य क्षेत्र के जंगल के किनारे की एक बस्ती के जीवन का एक अतिविरल चित्रण किया गया है:

HISTORY
THEME 02

Kings, Farmers and Towns Early States and Economies (c. 600 BCE-600 CE)

राजा, किसान और नगर आरंभिक राज्य और अर्थव्यवस्थाएँ (लगभग 600 ई.पू. से 600 ई.)

The outskirts being for the most part forest, many parcels of rice-land, threshing ground and arable land were being apportioned by small farmers ... it was mainly spade culture ... owing to the difficulty of ploughing the sparsely scattered fields covered with grass, with their few clear spaces, their black soil stiff as black iron ...

बस्ती के किनारे का अधिकांश क्षेत्र जंगल है और यहाँ धान की उपज वाली, खलिहान और उपजाऊ भूमि के हिस्सों को छोटे किसानों ने आपस में बाँट लिया है... यहाँ के अधिकांश लोग कुदाल का प्रयोग करते हैं... क्योंकि घास से भरी भूमि में हल चलाना मुश्किल है। बहुत कम हिस्से साफ़ हैं, जो हैं भी उसकी काली मिट्टी, काले लोहे जैसी सख्त है।

HISTORY
THEME 02

Kings, Farmers and Towns Early States and Economies (c. 600 BCE-600 CE)

राजा, किसान और नगर आरंभिक राज्य और अर्थव्यवस्थाएँ (लगभग 600 ई.पू. से 600 ई.)

There were people moving along with bundles of bark ... countless sacks of plucked flowers, ... loads of flax and hemp bundles, quantities of honey, peacocks' tail feathers, wreaths of wax, logs, and grass. Village wives hastened en route for neighbouring villages, all intent on thoughts of sale and bearing on their heads baskets filled with various gathered forest fruits.

यहाँ लोग पेड़ की छाल के गट्ठर लेकर चलते हैं... फूलों से भरे अनगिनत बोरे... अलसी और सन, भारी भात्रा में शहद, मोरपंख, मोम, लकड़ी और घास के बोझ लेकर आते-जाते रहते हैं। ग्रामीण महिलाएँ रास्ते में बसे गाँवों में जाकर बेचने को तत्पर रहती हैं। उनके सिरों पर जंगल से एकत्र किए गए फलों की टोकरियाँ थीं।

HISTORY
THEME 02

Kings, Farmers and Towns Early States and Economies (c. 600 BCE-600 CE)

राजा, किसान और नगर आरंभिक राज्य और अर्थव्यवस्थाएँ (लगभग 600 ई.पू. से 600 ई.)

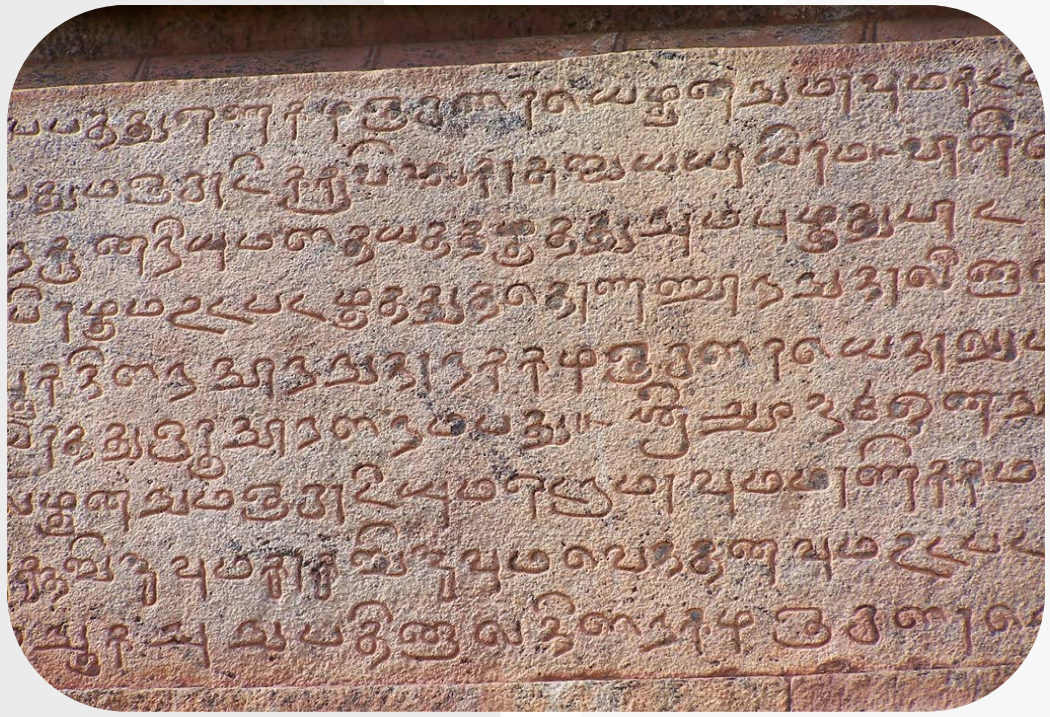

Grants of land being made, many of which were recorded in inscriptions.

भूमिदान के प्रमाण मिलते हैं। इनमें से कई का उल्लेख अभिलेखों में मिलता है।

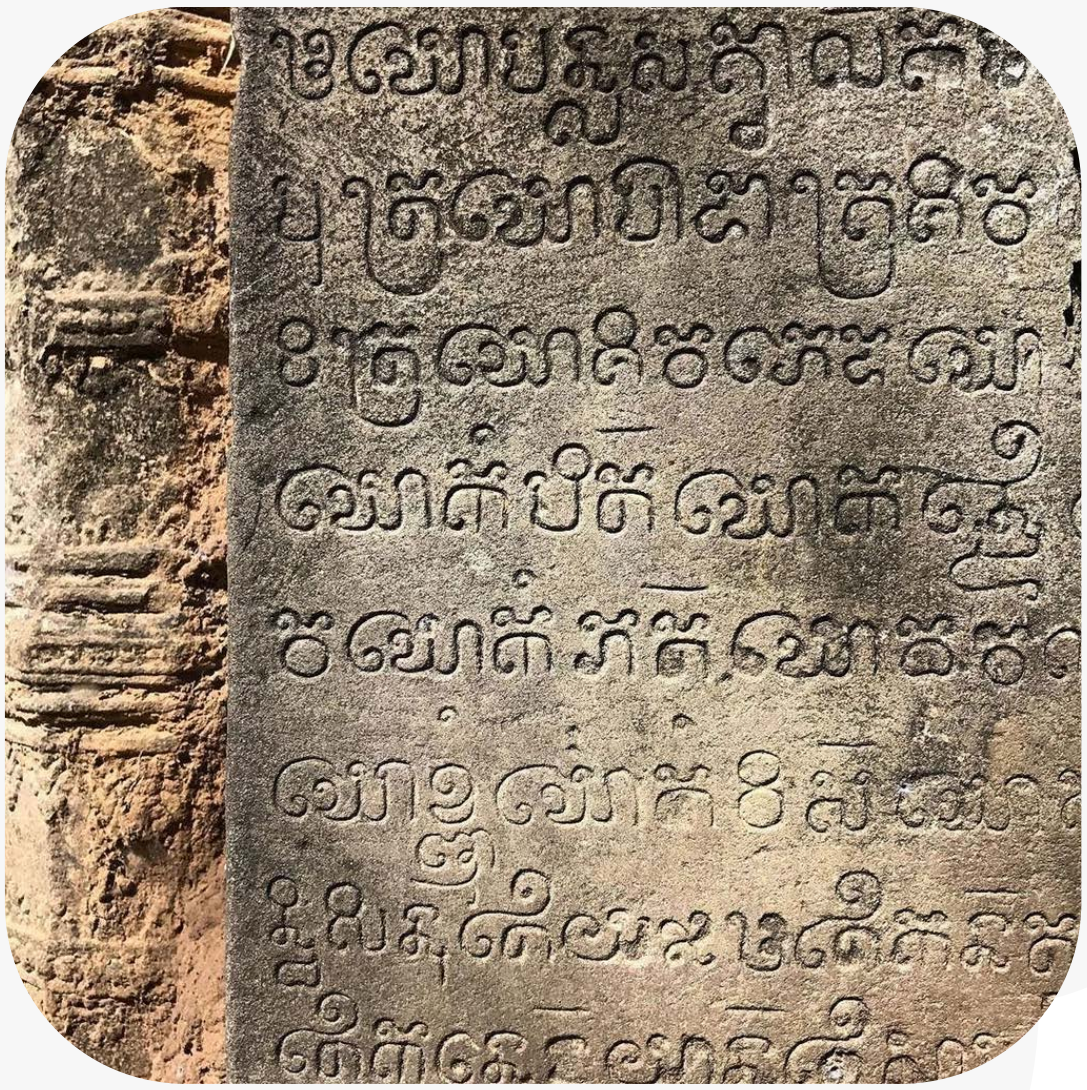

On stone

पत्थरों पर

HISTORY
THEME 02

Kings, Farmers and Towns Early States and Economies (c. 600 BCE-600 CE)

राजा, किसान और नगर आरंभिक राज्य और अर्थव्यवस्थाएँ (लगभग 600 ई.पू. से 600 ई.)

On copper plates

ताम्र पत्रों पर

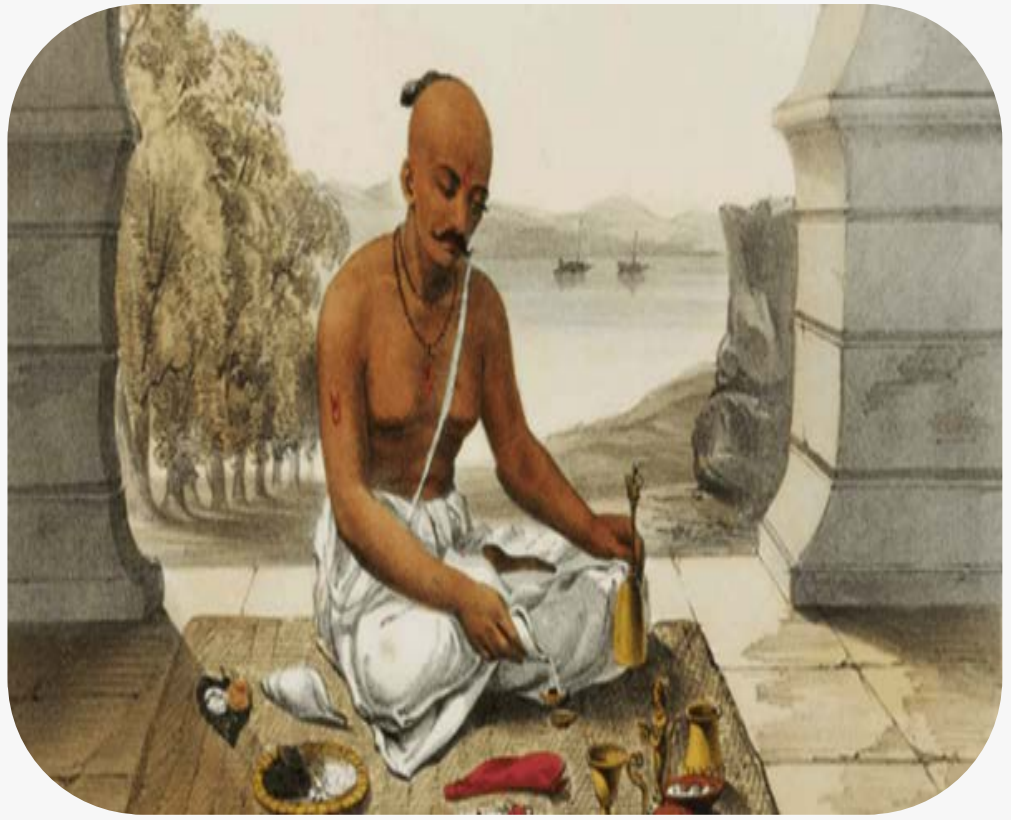

Grants to religious institutions or to Brahmanas

धार्मिक संस्थाओं या ब्राह्मणों को दिए गए थे।

HISTORY
THEME 02

Kings, Farmers and Towns Early States and Economies (c. 600 BCE-600 CE)

राजा, किसान और नगर आरंभिक राज्य और अर्थव्यवस्थाएँ (लगभग 600 ई.पू. से 600 ई.)

According to Sanskrit legal texts, women were not supposed to have independent access to resources such as land.

संस्कृत धर्मशास्त्रों के अनुसार, महिलाओं को भूमि जैसी संपत्ति पर स्वतंत्र अधिकार नहीं था

HISTORY
THEME 02

Kings, Farmers and Towns Early States and Economies (c. 600 BCE-600 CE)

राजा, किसान और नगर आरंभिक राज्य और अर्थव्यवस्थाएँ (लगभग 600 ई.पू. से 600 ई.)

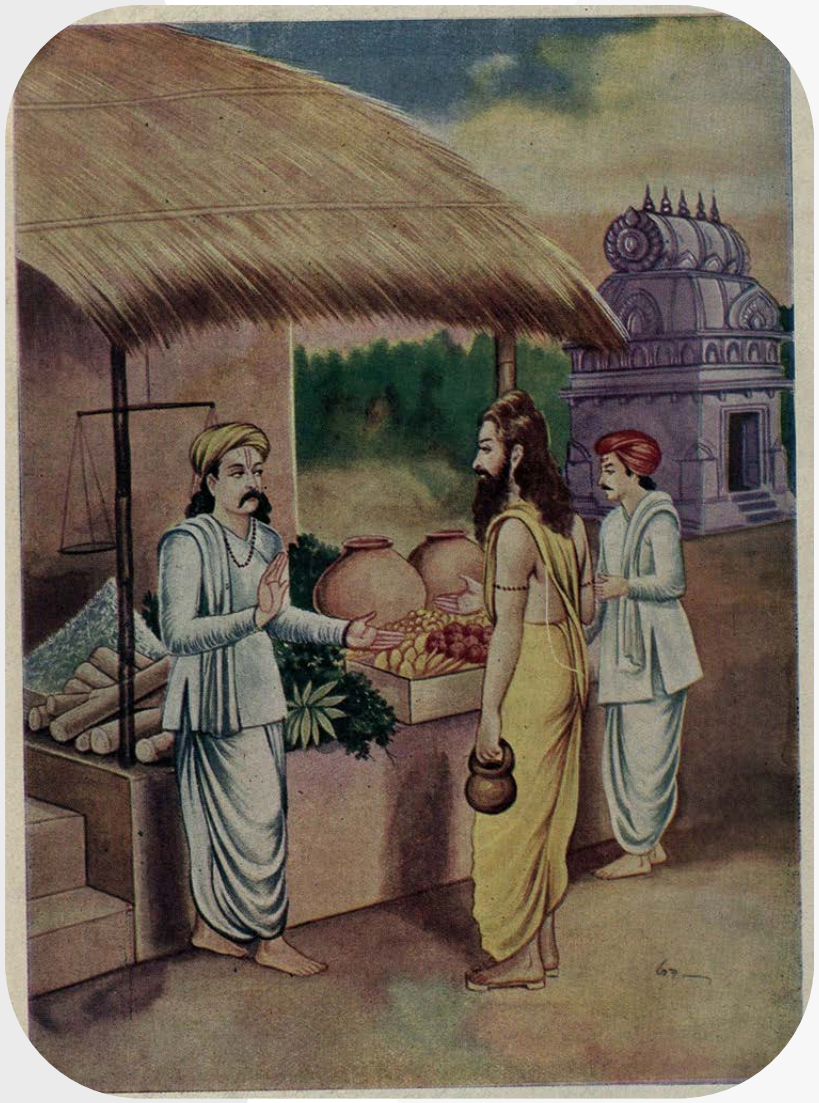

Rural populations – these included Brahmanas and peasants, as well as others who were expected to provide a range of produce to the king or his representatives.

अभिलेख से हमें ग्रामीण प्रजा का भी पता चलता है। इनमें ब्राह्मण, किसान तथा अन्य प्रकार के वर्ग शामिल थे जो शासकों या उनके प्रतिनिधियों को कई प्रकार की वस्तुएँ प्रदान करते थे।

Kings, Farmers and Towns Early States and Economies (c. 600 BCE-600 CE)

राजा, किसान और नगर आरंभिक राज्य और अर्थव्यवस्थाएँ (लगभग 600 ई.पू. से 600 ई.)

Prabhavati Gupta and the village of Danguna

This is what Prabhavati Gupta states in her inscription:

Prabhavati Gupta ... commands the gramakutumbinas (householders/peasants living in the village), Brahmanas and others living in the village of Danguna ...

प्रभावती गुप्त और दंगुन गाँव

प्रभावती गुप्त ने अपने अभिलेख में यह कहा है: प्रभावती ग्राम कुटुंबिनों (गाँव के गृहस्थ और कृषक), ब्राह्मणों, और दंगुन गाँव के अन्य वासियों को आदेश देती है.....

HISTORY
THEME 02

Kings, Farmers and Towns Early States and Economies (c. 600 BCE-600 CE)

राजा, किसान और नगर आरंभिक राज्य और अर्थव्यवस्थाएँ (लगभग 600 ई.पू. से 600 ई.)

"Be it known to you that on the twelfth (lunar day) of the bright (fortnight) of Karttika, we have, in order to increase our religious merit donated this village with the pouring out of water, to the Acharya (teacher) Chanalasvamin ... You should obey all (his) commands ...

'आपको ज्ञात हो कि कार्तिक शुक्ल पक्ष की द्वादशी तिथि को धार्मिक पुण्य प्राप्ति के लिए इस ग्राम को जल अर्पण के साथ आचार्य चनालस्वामी को दान किया गया है। आपको इनके सभी आदेशों का पालन करना चाहिए।

HISTORY
THEME 02

Kings, Farmers and Towns Early States and Economies (c. 600 BCE-600 CE)

राजा, किसान और नगर आरंभिक राज्य और अर्थव्यवस्थाएँ (लगभग 600 ई.पू. से 600 ई.)

We confer on (him) the following exemptions typical of an agrahara ...(this village is) not to be entered by soldiers and policemen; (it is) exempt from (the obligation to provide) grass, (animal) hides as seats, and charcoal (to touring royal officers); exempt from (the royal prerogative of) purchasing fermenting liquors and digging (salt);

एक अग्रहार के लिए उपयुक्त निम्नलिखित रियायतों का निर्देश भी देती हूँ। इस गाँव में पुलिस या सैनिक प्रवेश नहीं करेंगे। दौरे पर आने वाले शासकीय अधिकारियों को यह गाँव घास देने और आसन में प्रयुक्त होने वाली जानवरों की खाल और कोयला देने के दायित्व से मुक्त है। साथ ही वे मदिरा खरीदने और नमक हेतु खुदाई करने के राजसी अधिकार को कार्यान्वित किए जाने से मुक्त हैं।

exempt from (the right to) mines and khadira trees; exempt from (the obligation to supply) flowers and milk; (it is donated) together with (the right to) hidden treasures and deposits (and) together with major and minor taxes ...”

This charter has been written in the thirteenth (regnal) year. (It has been) engraved by Chakradasa.

इस गाँव को खनिज-पदार्थ और खदिर वृक्ष के उत्पाद देने से भी छूट है। फूल और दूध देने से भी छूट है। इस गाँव का दान इसके भीतर की संपत्ति और बड़े-छोटे सभी करों सहित किया गया है।” इस राज्यादेश को 13वें राज्य वर्ष में लिखा गया है और इसे चक्रदास ने उत्कीर्ण किया है।

HISTORY
THEME 02

Kings, Farmers and Towns Early States and Economies (c. 600 BCE-600 CE)

राजा, किसान और नगर आरंभिक राज्य और अर्थव्यवस्थाएँ (लगभग 600 ई.पू. से 600 ई.)

An agrahara was land granted to a Brahmana, who was usually exempted from paying land revenue and other dues to the king, and was often given the right to collect these dues from the local people.

अग्रहार उस भूभाग को कहते थे जो ब्राह्मणों को दान किया जाता था। ब्राह्मणों से भूमिकर या अन्य प्रकार के कर नहीं वसूले जाते थे। ब्राह्मणों को स्वयं स्थानीय लोगों से कर वसूलने का अधिकार था।

HISTORY
THEME 02

Kings, Farmers and Towns Early States and Economies (c. 600 BCE-600 CE)

राजा, किसान और नगर आरंभिक राज्य और अर्थव्यवस्थाएँ (लगभग 600 ई.पू. से 600 ई.)

Land grants provide some insight into the relationship between cultivators and the state.

भूमिदान के प्रचलन से राज्य तथा किसानों के बीच संबंध की झाँकी मिलती है।

Kings, Farmers and Towns Early States and Economies (c. 600 BCE-600 CE)

राजा, किसान और नगर आरंभिक राज्य और अर्थव्यवस्थाएँ (लगभग 600 ई.पू. से 600 ई.)

The history of Pataliputra

Each city had a history of its own. Pataliputra, for instance, began as a village known as Pataligrama. Then, in the fifth century BCE, the Magadhan rulers decided to shift their capital from Rajagaha to this settlement and renamed it.

पाटलिपुत्र का इतिहास

प्रत्येक नगर का अपना इतिहास था। उदाहरण के तौर पर, पाटलिपुत्र का विकास पाटलिग्राम नाम के एक गाँव से हुआ। फिर पाँचवीं सदी ई.पू. में मगध शासकों ने अपनी राजधानी राजगाह से हटाकर इसे बस्ती में लाने का निर्णय किया और इसका नाम बदल दिया।

HISTORY
THEME 02

Kings, Farmers and Towns Early States and Economies (c. 600 BCE-600 CE)

राजा, किसान और नगर आरंभिक राज्य और अर्थव्यवस्थाएँ (लगभग 600 ई.पू. से 600 ई.)

By the fourth century BCE, it was the capital of the Mauryan Empire and one of the largest cities in Asia. Subsequently, its importance apparently declined. When the Chinese pilgrim Xuan Zang visited the city in the seventh century CE, he found it in ruins, and with a very small population.

चौथी शताब्दी ईपू. तक आते–आते यह मौर्य साम्राज्य की राजधानी और एशिया के सबसे बड़े नगरों में से एक बन गया। बाद में इसका महत्त्व कम हो गया और जब चीनी यात्री श्वैन त्सांग सातवीं सदी ई. में यहाँ आया तो इसे यह नगर खंडहर में बदला मिला और उस समय यहाँ की जनसंख्या भी कम थी।

HISTORY
THEME 02

Kings, Farmers and Towns Early States and Economies (c. 600 BCE-600 CE)

राजा, किसान और नगर आरंभिक राज्य और अर्थव्यवस्थाएँ (लगभग 600 ई.पू. से 600 ई.)

Many of these were capitals of mahajanapadas. Virtually all major towns were located along routes of communication.

इनमें से अधिकांश नगर महाजनपदों की राजधानियाँ थे। प्रायः सभी नगर संचार मार्गों के किनारे बसे थे।

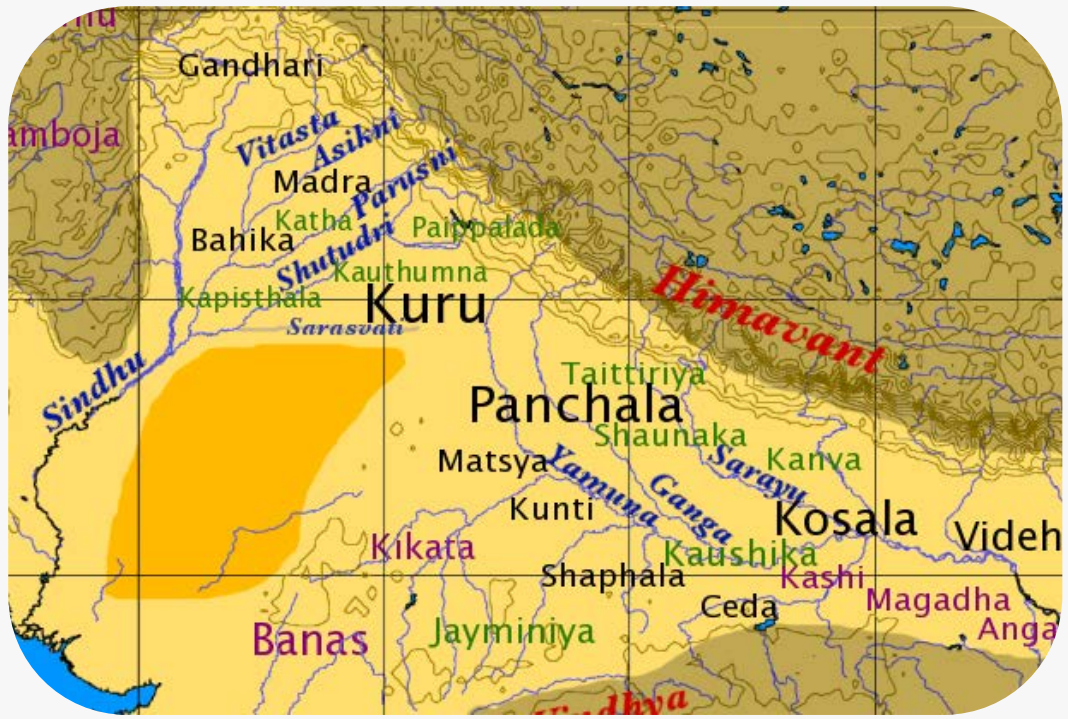

HISTORY
THEME 02

Kings, Farmers and Towns Early States and Economies (c. 600 BCE-600 CE)

राजा, किसान और नगर आरंभिक राज्य और अर्थव्यवस्थाएँ (लगभग 600 ई.पू. से 600 ई.)

Kings and ruling elites lived in fortified cities. Although it is difficult to conduct extensive excavations at most sites because people live in these areas

शासक वर्ग और राजा किलेबंद नगरों में रहते थे। यद्यपि इनमें से अधिकांश स्थलों पर व्यापक रूप से खुदाई करना संभव नहीं है, क्योंकि आज भी इन क्षेत्रों में लोग रहते हैं।

Kings, Farmers and Towns Early States and Economies (c. 600 BCE-600 CE)

राजा, किसान और नगर आरंभिक राज्य और अर्थव्यवस्थाएँ (लगभग 600 ई.पू. से 600 ई.)

Votive inscriptions record gifts made to religious institutions.

दानात्मक अभिलेखों में धार्मिक संस्थाओं को दिए दान का विवरण होता है।

HISTORY
THEME 02

Kings, Farmers and Towns Early States and Economies (c. 600 BCE-600 CE)

राजा, किसान और नगर आरंभिक राज्य और अर्थव्यवस्थाएँ (लगभग 600 ई.पू. से 600 ई.)

The Malabar coast (present-day Kerala)

Here is an excerpt from Periplus of the Erythraean Sea, composed by an anonymous Greek sailor (c. first century CE):

मालाबार तट (आधुनिक केरल)

यह एक यूनानी समुद्र यात्री द्वारा रचित पेरिप्लस ऑफ़ एरीथ्रियन सी का एक अंश (लगभग प्रथम शताब्दी ई.) है।

HISTORY
THEME 02

Kings, Farmers and Towns Early States and Economies (c. 600 BCE-600 CE)

राजा, किसान और नगर आरंभिक राज्य और अर्थव्यवस्थाएँ (लगभग 600 ई.पू. से 600 ई.)

They (i.e. traders from abroad) send large ships to these market-towns on account of the great quantity and bulk of pepper and malabathrum (possibly cinnamon, produced in these regions). There are imported here, in the first place, a great quantity of coin; topaz ... antimony (a mineral used as a colouring substance), coral, crude glass, copper, tin, lead ...

भारी मात्रा में काली मिर्च और दाल चीनी खरीदने के लिए बाज़ार वाले नगरों में वे (विदेशी व्यापारी) जहाज़ भेजते हैं। एक तो यहाँ भारी मात्रा में सिक्कों, पुखराज, सुरमा, मूँगे, कच्चे शीशे, ताँबे, टिन और सीसे का आयात किया जाता है...

HISTORY
THEME 02

Kings, Farmers and Towns Early States and Economies (c. 600 BCE-600 CE)

राजा, किसान और नगर आरंभिक राज्य और अर्थव्यवस्थाएँ (लगभग 600 ई.पू. से 600 ई.)

There is exported pepper, which is produced in quantity in only one region near these markets ... Besides this there are exported great quantities of fine pearls, ivory, silk cloth, ... transparent stones of all kinds, diamonds and sapphires, and tortoise shell

इन बाज़ारों के आसपास भारी मात्रा में उत्पन्न काली मिर्च का निर्यात किया जाता है... इसके अलावा, उच्च कोटि के मोतियों, हाथी दाँत, रेशमी वस्त्र विभिन्न प्रकार के पारदर्शी पत्थरों, हीरों और काले नग और कछुए की खोपड़ी का भारी मात्रा में आयात होता है।

Kings, Farmers and Towns Early States and Economies (c. 600 BCE-600 CE)

राजा, किसान और नगर आरंभिक राज्य और अर्थव्यवस्थाएँ (लगभग 600 ई.पू. से 600 ई.)

Archaeological evidence of a bead-making industry, using precious and semi-precious stones, has been found in Kodumanal (Tamil Nadu). It is likely that local traders brought the stones mentioned in the Periplus from sites such as these to the coastal ports.

तमिलनाडु के कोडुमनाल में बहुमूल्य और कम मूल्यवान पत्थरों से बनाए जाने वाले मूँगों के उद्योग के पुरातात्विक साक्ष्य मिले हैं। यह संभव है कि पेरिप्लस में वर्णित पत्थरों को इन्हीं तटवर्ती बंदरगाहरों तक स्थानीय व्यापारी लाए होंगे।

HISTORY
THEME 02

Kings, Farmers and Towns Early States and Economies (c. 600 BCE-600 CE)

राजा, किसान और नगर आरंभिक राज्य और अर्थव्यवस्थाएँ (लगभग 600 ई.पू. से 600 ई.)

"Periplus" is a Greek word meaning sailing around and "Erythraean" was the Greek name for the Red Sea.

पेरिप्लस यूनानी भाषा का शब्द है जिसका अर्थ समुद्री यात्रा है और एरीथ्रियन यूनानी भाषा में लाल सागर को कहते हैं।

HISTORY
THEME 02

Kings, Farmers and Towns Early States and Economies (c. 600 BCE-600 CE)

राजा, किसान और नगर आरंभिक राज्य और अर्थव्यवस्थाएँ (लगभग 600 ई.पू. से 600 ई.)

Land and river routes criss-crossed the subcontinent

उपमहाद्वीप में नदी मार्गों और भूमार्गों का मानो जाल बिछ गया था

HISTORY
THEME 02

Kings, Farmers and Towns Early States and Economies (c. 600 BCE-600 CE)

राजा, किसान और नगर आरंभिक राज्य और अर्थव्यवस्थाएँ (लगभग 600 ई.पू. से 600 ई.)

Rulers often attempted to control these routes, possibly by offering protection for a price.

शासकों ने प्रायः इन मार्गों पर नियंत्रण करने की कोशिश की और संभवतः वे इन मार्गों पर व्यापारियों की सुरक्षा के बदले उनसे धन लेते थे।

HISTORY
THEME 02

Kings, Farmers and Towns Early States and Economies (c. 600 BCE-600 CE)

राजा, किसान और नगर आरंभिक राज्य और अर्थव्यवस्थाएँ (लगभग 600 ई.पू. से 600 ई.)

- Goods were carried from one place to another – salt, grain, cloth, metal ores and finished products, stone, timber, medicinal plants, to name a few.

- नमक, अनाज, कपड़ा, धातु और उससे निर्मित उत्पाद, पत्थर, लकड़ी, जड़ी-बूटी जैसे अनेक प्रकार के सामान एक स्थान से दूसरे स्थान तक पहुँचाए जाते थे।

HISTORY
THEME 02

Kings, Farmers and Towns Early States and Economies (c. 600 BCE-600 CE)

राजा, किसान और नगर आरंभिक राज्य और अर्थव्यवस्थाएँ (लगभग 600 ई.पू. से 600 ई.)

- Spices, especially pepper, were in high demand in the Roman Empire, as were textiles and medicinal plants, and these were all transported across the Arabian Sea to the Mediterranean.

- रोमन साम्राज्य में काली मिर्च, जैसे मसालों तथा कपड़ों व जड़ी-बूटियों की भारी माँग थी। इन सभी वस्तुओं को अरब सागर के रास्ते भूमध्य क्षेत्र तक पहुँचाया जाता था।

HISTORY
THEME 02

Kings, Farmers and Towns Early States and Economies (c. 600 BCE-600 CE)

राजा, किसान और नगर आरंभिक राज्य और अर्थव्यवस्थाएँ (लगभग 600 ई.पू. से 600 ई.)

Punch-marked coins made of silver and copper

चाँदी और ताँबे के आहत सिक्के

The kushanas, however, issued the largest hoards of gold coins first gold coins

हालाँकि सोने के सिक्के बड़े पैमाने पर कुषाण राजाओं ने जारी किए थे।

HISTORY
THEME 02

Kings, Farmers and Towns Early States and Economies (c. 600 BCE-600 CE)

राजा, किसान और नगर आरंभिक राज्य और अर्थव्यवस्थाएँ (लगभग 600 ई.पू. से 600 ई.)

Virtually identical in weight with those issued by contemporary Roman emperors

इनके आकार और वज़न तत्कालीन रोमन सम्राटों द्वारा जारी सिक्कों के बिलकुल समान थे।

Use of gold coins indicates the enormous value of the transactions

सोने के सिक्कों के व्यापक प्रयोग से संकेत मिलता है कि बहुमूल्य वस्तुओं और भारी मात्रा में वस्तुओं का विनिमय किया जाता था।

HISTORY
THEME 02

Kings, Farmers and Towns Early States and Economies (c. 600 BCE-600 CE)

राजा, किसान और नगर आरंभिक राज्य और अर्थव्यवस्थाएँ (लगभग 600 ई.पू. से 600 ई.)

South India was not part of the Roman Empire, but there were close connections through trade.

दक्षिण भारत रोमन साम्राज्य के अंतर्गत न होते हुए भी व्यापारिक दृष्टि से रोमन साम्राज्य से संबंधित था।

HISTORY
THEME 02

Kings, Farmers and Towns Early States and Economies (c. 600 BCE-600 CE)

राजा, किसान और नगर आरंभिक राज्य और अर्थव्यवस्थाएँ (लगभग 600 ई.पू. से 600 ई.)

Coins were also issued by tribal republics

कबायली गणराज्यों ने भी सिक्के जारी किए थे।

Gold coins were issued by the Gupta rulers.

सोने के सिक्कों में से कुछ गुप्त शासकों ने जारी किए।

HISTORY
THEME 02

Kings, Farmers and Towns Early States and Economies (c. 600 BCE-600 CE)

राजा, किसान और नगर आरंभिक राज्य और अर्थव्यवस्थाएँ (लगभग 600 ई.पू. से 600 ई.)

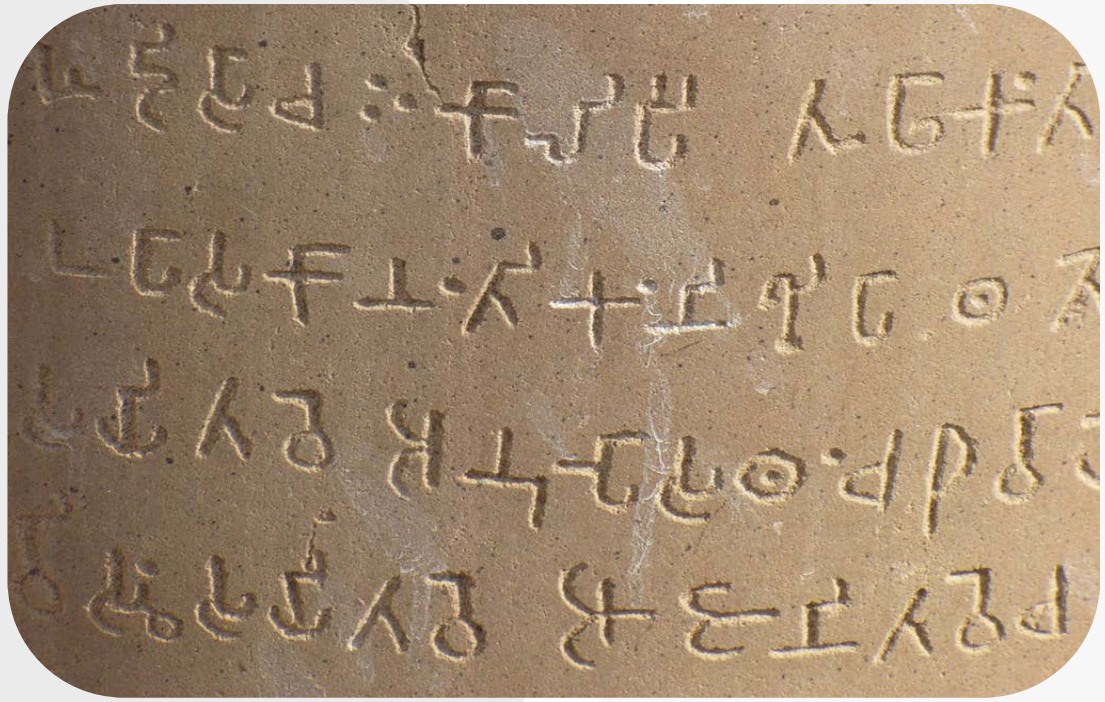

Most scripts used to write modern Indian languages are derived from Brahmi

आधुनिक भारतीय भाषाओं में प्रयुक्त लगभग सभी लिपियों का मूल ब्राह्मी लिपि है।

James Prinsep was able to decipher Asokan Brahmi

जेम्स प्रिंसेप ने असोककालीन ब्राह्मी लिपि का अर्थ निकाल लिया।

HISTORY
THEME 02

Kings, Farmers and Towns Early States and Economies (c. 600 BCE-600 CE)

राजा, किसान और नगर आरंभिक राज्य और अर्थव्यवस्थाएँ (लगभग 600 ई.पू. से 600 ई.)

The orders of the king

Thus speaks king Devanampiya Piyadassi:

In the past, there were no arrangements for disposing affairs, nor for receiving regular reports. But I have made the following (arrangement).

राजा के आदेश

राजन् देवानांपिय पियदस्सी यह कहते हैं:

अतीत में मसलों को निपटाने और नियमित रूप से सूचना एकत्र करने की व्यवस्थएँ नहीं थीं। लेकिन मैंने निम्नलिखित (व्यवस्था) की हैं।

HISTORY
THEME 02

Kings, Farmers and Towns Early States and Economies (c. 600 BCE-600 CE)

राजा, किसान और नगर आरंभिक राज्य और अर्थव्यवस्थाएँ (लगभग 600 ई.पू. से 600 ई.)

Pativedakas should report to me about the affairs of the people at all times, anywhere, whether I am eating, in the inner apartment, in the bedroom, in the cow pen, being carried (possibly in a palanquin), or in the garden. And I will dispose of the affairs of the people everywhere.

लोगों के समाचार हम तक पतिवेदक सदैव पहुँचाएँ। चाहे मैं कहीं भी हूँ, खाना खा रहा हूँ, अन्तःपुर में हूँ विश्राम कक्ष में हूँ, गोशाले में हूँ, या फिर पालकी में मुझे ले जाया जा रहा हो अथवा वाटिका में हूँ। मैं लोगों के विषयों का निराकरण हर स्थल पर करूँगा।

HISTORY
THEME 02

Kings, Farmers and Towns Early States and Economies (c. 600 BCE-600 CE)

राजा, किसान और नगर आरंभिक राज्य और अर्थव्यवस्थाएँ (लगभग 600 ई.पू. से 600 ई.)

Prinsep identifying the language of the Kharosthi inscriptions as Prakrit

प्रिंसेप ने खरोष्ठी में लिखे अभिलेखों की भाषा की पहचान प्राकृत के रूप में की थी।

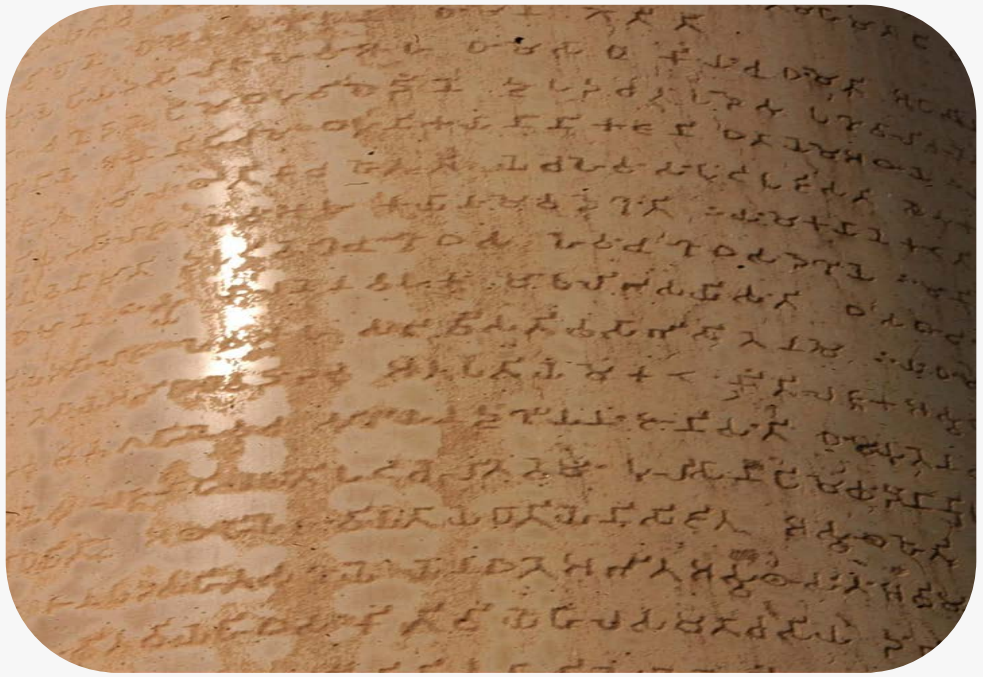

Asoka, is not mentioned in the inscription

अभिलेख में शासक असोक का नाम नहीं लिखा है।

HISTORY
THEME 02

Kings, Farmers and Towns Early States and Economies (c. 600 BCE-600 CE)

राजा, किसान और नगर आरंभिक राज्य और अर्थव्यवस्थाएँ (लगभग 600 ई.पू. से 600 ई.)

What is used instead are titles adopted by the ruler – devanampiya, often translated as "beloved of the gods" and piyadassi, or "pleasant to behold".

उसमें असोक द्वारा अपनाई गई उपाधियों का प्रयोग किया गया है; जैसे कि देवानांपिय अर्थात् देवताओं का प्रिय और 'पियदस्सी' यानी 'देखने में सुन्दर'।

DE VA NAM PI YA SA A SO KA

Kings, Farmers and Towns Early States and Economies (c. 600 BCE-600 CE)

राजा, किसान और नगर आरंभिक राज्य और अर्थव्यवस्थाएँ (लगभग 600 ई.पू. से 600 ई.)

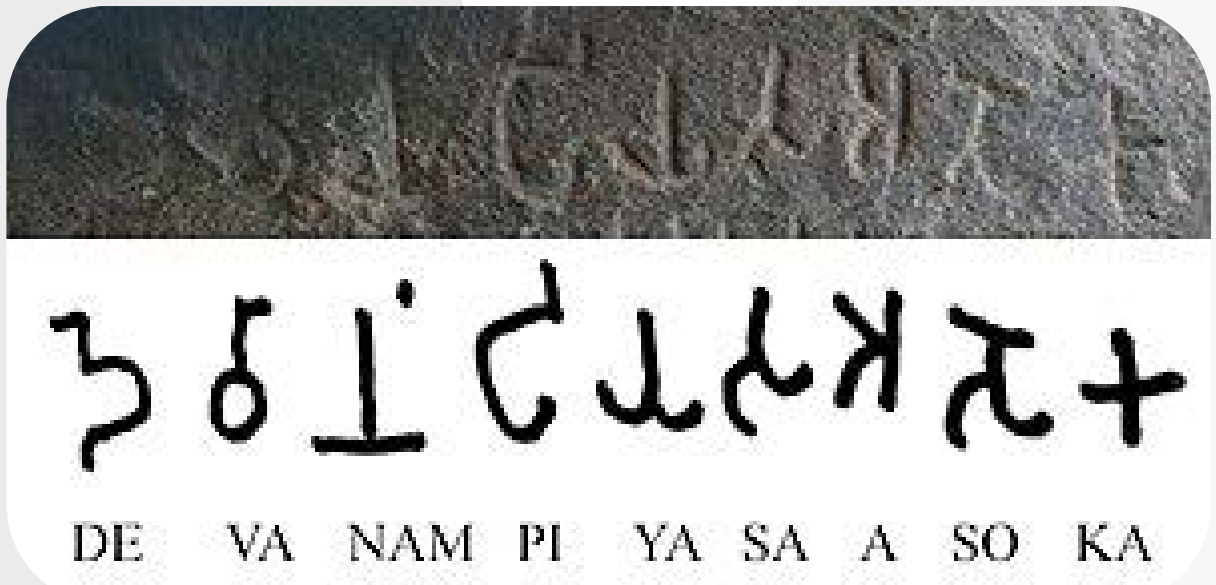

Epigraphists sometimes add these to make the meaning of sentences clear. This has to be done carefully, to ensure that the intended meaning of the author is not changed.

अभिलेख शास्त्री प्रायः वाक्यों के अर्थ स्पष्ट करने के लिए ऐसा करते हैं। यह बड़े ध्यान से करना पड़ता है जिससे कि लेखक का मूल अर्थ बदल न जाए।

HISTORY
THEME 02

Kings, Farmers and Towns Early States and Economies (c. 600 BCE-600 CE)

राजा, किसान और नगर आरंभिक राज्य और अर्थव्यवस्थाएँ (लगभग 600 ई.पू. से 600 ई.)

The anguish of the king

When the king Devanampiya Piyadassi had been ruling for eight years, the (country of the) Kalingas (presentday coastal Orissa) was conquered by (him).

राजा की वेदना

जब देवानांपिय पियदस्सी ने अपने शासन के आठ वर्ष पूरे किए तो उन्होंने कलिंग (आधुनिक तटवर्ती उड़ीसा) पर विजय प्राप्त की।

HISTORY
THEME 02

Kings, Farmers and Towns Early States and Economies (c. 600 BCE-600 CE)

राजा, किसान और नगर आरंभिक राज्य और अर्थव्यवस्थाएँ (लगभग 600 ई.पू. से 600 ई.)

One hundred and fifty thousand men were deported, a hundred thousand were killed, and many more died.

डेढ़ लाख पुरुषों को निष्कासित किया गया; एक लाख मारे गए और इससे भी ज़्यादा की मृत्यु हुई।

After that, now that (the country of) the Kalingas has been taken, Devanampiya (is devoted) to an intense study of Dhamma, to the love of Dhamma, and to instructing (the people) in Dhamma.

कलिंग पर शासन स्थापित करने के बाद देवानांपिय धम्म के गहन अध्ययन, धम्म के स्नेह और धम्म के उपदेश में डूब गए हैं।

HISTORY
THEME 02

Kings, Farmers and Towns Early States and Economies (c. 600 BCE-600 CE)

राजा, किसान और नगर आरंभिक राज्य और अर्थव्यवस्थाएँ (लगभग 600 ई.पू. से 600 ई.)

This is the repentance of Devanampiya on account of his conquest of the (country of the) Kalingas.

For this is considered very painful and deplorable by Devanampiya that, while one is conquering an unconquered (country) slaughter, death and deportation of people (take place) there ...

यही देवानांपिय के लिए कलिंग की विजय का पश्चाताप है।

देवानांपिय के लिए यह बहुत वेदनादायी और निंदनीय है कि जब कोई किसी राज्य पर विजय प्राप्त करता है तो पराजित राज्य का हनन होता है, वहाँ लोग मारे जाते हैं, निष्कासित किए जाते हैं।

HISTORY
THEME 02

Kings, Farmers and Towns Early States and Economies (c. 600 BCE-600 CE)

राजा, किसान और नगर आरंभिक राज्य और अर्थव्यवस्थाएँ (लगभग 600 ई.पू. से 600 ई.)

There are limits to what epigraphy can reveal.

अभिलेखों से प्राप्त जानकारी की भी सीमा होती है।

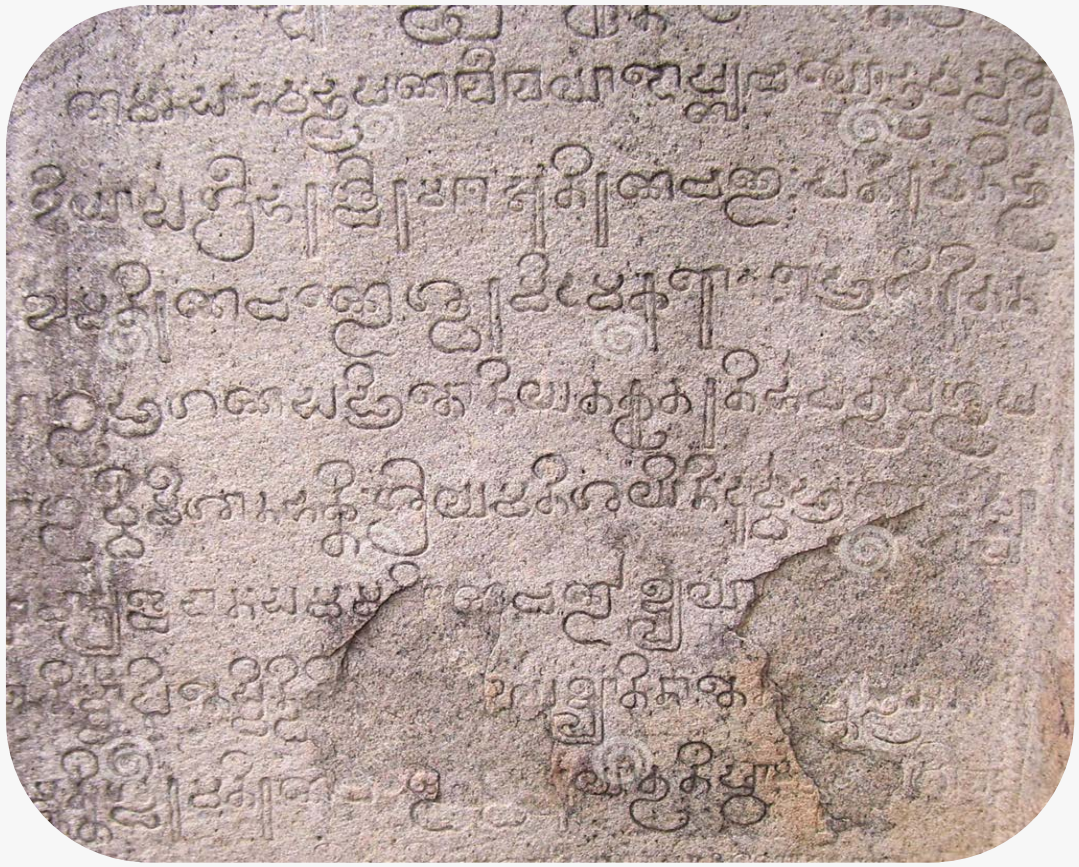

Letters are very faintly engraved

अक्षरों को हलके ढंग से उत्कीर्ण किया जाता है।

HISTORY
THEME 02

Kings, Farmers and Towns Early States and Economies (c. 600 BCE-600 CE)

राजा, किसान और नगर आरंभिक राज्य और अर्थव्यवस्थाएँ (लगभग 600 ई.पू. से 600 ई.)

inscriptions may be damaged or letters missing.

अभिलेख नष्ट भी हो सकते है जिनसे अक्षर लुप्त हो जाते हैं।

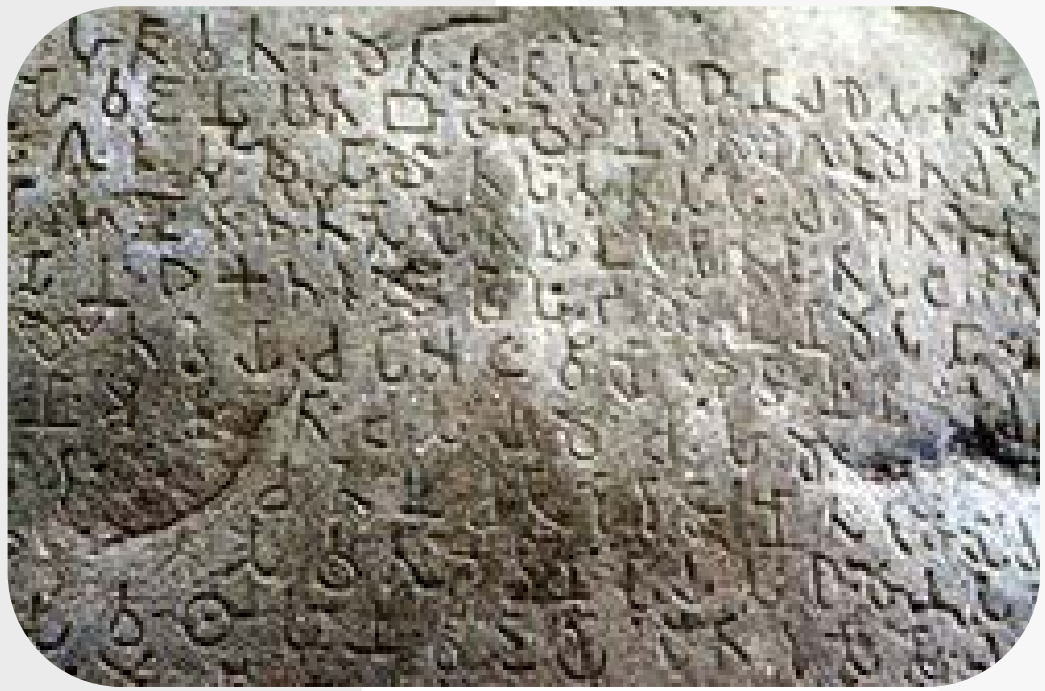

Not always easy to be sure about the exact meaning of the words used in inscriptions

अभिलेखों के शब्दों के वास्तविक अर्थ के बारे में पूर्ण रूप से ज्ञान हो पाना सदैव सरल नहीं होता

HISTORY
THEME 02

Kings, Farmers and Towns Early States and Economies (c. 600 BCE-600 CE)

राजा, किसान और नगर आरंभिक राज्य और अर्थव्यवस्थाएँ (लगभग 600 ई.पू. से 600 ई.)

Everything that we may consider politically or economically significant was necessarily recorded in inscriptions.

यह शरूरी नहीं है कि जिसे हम आज राजनीतिक और आर्थिक रूप से महत्वपूर्ण मानते हैं उन्हें अभिलेखों में अंकित किया ही गया हो।

HISTORY
THEME 02

Kings, Farmers and Towns Early States and Economies (c. 600 BCE-600 CE)

राजा, किसान और नगर आरंभिक राज्य और अर्थव्यवस्थाएँ (लगभग 600 ई.पू. से 600 ई.)

Routine agricultural practices and the joys and sorrows of daily existence find no mention in inscriptions

खेती की दैनिक प्रक्रियाएँ और रोज़मर्रा की ज़िंदगी के सुख-दुख का उल्लेख अभिलेखों में नहीं मिलता है

Thank You So Much!